दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 26 नई दिल्ली सोमवार 26 जनवरी 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

हादसे में युवक की मौत

रांची 25 जनवरी (निस) रांची-पटना राजमार्ग पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक रांची के ओरमांझी, सरदार मोहल्ला निवासी धनंजय कुमार था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धनंजय कुमार अपनी कार से रांची से पटना जा रहे थे।

वरिष्ठ पत्रकार सर मार्क टली का 90 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) वरिष्ठ पत्रकार सर मार्क टली का रविवार 25 जनवरी को 90 साल की उर्म्में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि बीबीसी में उनके पूर्व सहयोगी रहे सतीश जैकब ने की है। मार्क टली उस दौर के माने हुए पत्रकार थे जबकि भारत में टेलीविजन भी नहीं था।

मन की बातः भारत के संविधान में हर नागरिक को मिले अधिकार-पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा, मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होते हैं और मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाताओं पर टिकी होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस तरह जन्मदिन मनाया जाता है, उसी तरह जब कोई युवा पहली बार वोटर बने तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर में उसे बधाई देकर मिठाई बांटी जानी चाहिए। इससे मतदान के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें साझा करने के ट्रेंड का जिक्र करते हुए कहा, कि बीते 10 वर्षों में देश ने

हर क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। ऐसे-ऐसे स्टार्टअप सामने आए हैं, जिनकी 10 साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। पीएम मोदी ने स्टार्टअप से जुड़े युवाओं को सलाम करते हुए कहा कि देश के युवाओं की सोच और मेहनत भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। स्टार्टअप इंडिया पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एआई, स्पेस, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोटेक्नोलॉजी जैसे हर सेक्टर में भारतीय स्टार्टअप सक्रिय हैं। उन्होंने 'क्वालिटी' पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इंडियन प्रोडक्ट का मतलब क्वालिटी बनना चाहिए और इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

तमसा नदी जनभागीदारी का उत्तम उदाहरण-अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जनभागीदारी के उदाहरण भी साझा किए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ की तमसा नदी का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों ने सामूहिक प्रयास से नदी को नया जीवन दिया है। इसी तरह आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में सूखे से जूझ रहे क्षेत्र में जनसहयोग से 10 से अधिक जलाशयों को पुनर्जीवित किया गया और 7,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए, जिससे जल संरक्षण के साथ हरियाली भी बढ़ी है।

मलेशिया के तमिल स्कूलों का किया जिक्र-प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान आज पूरी दुनिया में बन रही है। विदेशों में रहने वाले भारतीय अपनी भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मलेशिया के तमिल स्कूलों, गुजरात के बेचराजी के चंदनकी गांव के कम्यूनिटी किचन, अरुणाचल प्रदेश और असम में युवाओं द्वारा स्वच्छता के प्रयासों का भी उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि जनभागीदारी और सामूहिकता ही देश की सबसे बड़ी ताकत है।

किसान समृद्धि सरकार का लक्ष्य, अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर-राष्ट्रपति मुर्मू

77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्बोधन

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। स्वाधीनता संग्राम के बल पर 15 अगस्त 1947 के दिन से हमारे देश की दशा बदली, भारत स्वाधीन हुआ, हम अपनी राष्ट्र नीति के निर्माता बने। 26 जनवरी 1950 के दिन से हम अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्श की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उसी दिन हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू

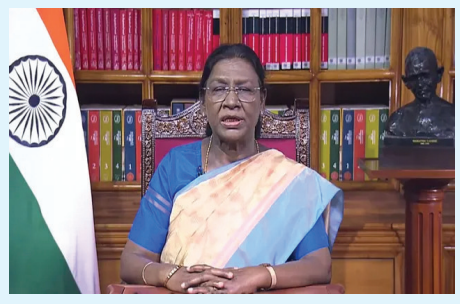

किया।

भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई- राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तंत्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधारग्रंथ है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं। संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रीयता की भावना तथा देश की एकता को संवैधानिक प्रावधानों सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा- राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जल्द भी ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। हमारे मेहनती श्रमिक भाई-बहन राष्ट्र का नव निर्माण करते हैं। हमारे होनहार युवा और बच्चे अपनी प्रतिभा से देश के स्वर्णिम भविष्य को मजबूती प्रदान करते हैं।

देश ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई- राष्ट्रपति

77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साह पूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण उत्सव बनाए जा रहे हैं।

गणतंत्र दिवस की बधाई एवं अवकाश सूचना

समस्त देशवासियों को अदारा भारत देश हमारा नई दिल्ली की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं इस अवसर पर दैनिक भारत देश हमारा नई दिल्ली के कार्यालय 26 जनवरी दिन सोमवार को अवकाश रहेगा जिस कारण मंगलवार 27 जनवरी 2026 का अंक प्रकाशित नहीं होगा। कृप्या नोट करें।

-प्रबंधक

मतदान करते समय विवेक का प्रयोग करें मतदाता किसी के लालच में न आए-राष्ट्रपति

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय लोग अपने विवेक के आधार पर और प्रलोभन, पूर्वाग्रह तथा गलत सूचनाओं से दूर रहकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिससे देश की चुनावी प्रणाली मजबूत होगी। उन्होंने चुनाव में बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आगे आने वाली महिलाओं की भी सराहना की। दिल्ली में

आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि मतदान का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी अनिवार्य है कि सभी नागरिक अपने संवैधानिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए इसका इस्तेमाल करें। निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पिछले 16 वर्षों से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को जब भारतीय संविधान को अपनाया तो इसके 16 अनुच्छेद तुरंत प्रभाव से लागू हो गए। इनमें से एक अनुच्छेद निर्वाचन आयोग के गठन शेष पृष्ठ सात पर

आज गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे सेवा मेडल, सबसे अधिक कश्मीर पुलिस को

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) गणतंत्र दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को अलग-अलग सेवा मेडल दिए गए हैं। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं।

इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक दिए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस को 31 मेडल, यूपी पुलिस को 18 और दिल्ली पुलिस को 14 मेडल दिए गए हैं। सीएपीएफ बलों में सीआरपीएफ एकमात्र बल है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार दिए गए हैं। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के 31 अधिकारियों और कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया है। बता दें वीरता पदक किसी व्यक्ति को वीरता के दुर्लभ असाधारण कार्य, जीवन-संपत्ति बचाने, अपराध को रोकने, अपराधियों को गिरफ्तार करने में असाधारण वीरता के लिए दिया जाता है। ध्यान में रखकर जोखिम का अनुमान लगाया जाता है प्रेसिडेंट सेवा मेडल पीएसएम सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है। वहीं मेधावी सेवा मेडल यह पद सेवा संसाधन और कर्तव्यनिष्ठा से की जाने वाली मूल्यवान सेवा के लिए दिया जाता है। गृह मंत्रालय के मुताबिक गणतंत्र शेष पृष्ठ सात पर

DIP/Shabdarth/Display/0120/25-26

सत्यमेव जयते
दिल्ली सरकार

77वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

भारत का लोकतंत्र, भारत का गणतांत्रिक अतीत बहुत ही समृद्ध रहा है, विश्व के लिए प्रेरक रहा है
और तभी तो, भारत आज मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है।
- नरेन्द्र मोदी

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

सम्पादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस: संविधान, उपलब्धियां एवं चुनौतियां

-सुनील कुमार महला

26 जनवरी 1950 वह दिन है जब भारत का संविधान लागू हुआ था और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना। इससे पूर्व 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। इस बार अर्थात् वर्ष 2026 में भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो 26 जनवरी 1950 वह ऐतिहासिक दिन था जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र (रि-पब्लिक) का अर्थ है-एक ऐसी शासन व्यवस्था, जिसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा चुनी जाती है। गणतंत्र में शासन का सर्वोच्च पद प्राचीनकाल की भांति किसी राजा या महाराजा के पास नहीं होता, बल्कि इसमें संविधान ही सर्वोपरि होता है। वास्तविक अर्थों में, गणतंत्र का मतलब यही है कि संविधान वह मूल कानून है, जो नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो गणतंत्र वह व्यवस्था है, जहाँ जनता का शासन कानून और संविधान के माध्यम से चलता है। संविधान का अर्थ है-देश का सर्वोच्च कानून, जिसके ऊपर कोई व्यक्ति, सरकार या संस्था नहीं होती। यही कारण है कि संविधान को देश को चलाने वाली नियम-कानूनों की सर्वोच्च पुस्तक कहा जाता है।

पाठकों को जानकारी होगी कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह स्पष्ट करता है कि देश कैसे चलेगा, सरकार कैसे बनेगी और कैसे कार्य करेगी, नागरिकों के मूल अधिकार और कर्तव्य क्या होंगे तथा देश में न्याय, समानता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि जिस देश में संविधान सुरक्षित है, वहाँ लोकतंत्र भी सुरक्षित रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे तथा भारतीय संविधान का मूल आधार लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता है।

गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम व उपलब्धियां-

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम '150 वर्ष -वंदे मातरम्' रखी गई है। अर्थात् इस बार देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। यह थीम बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सम्मान देती है, जो हमारे देश की संस्कृति, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अभिव्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 के समारोह की दूसरी महत्वपूर्ण थीम 'विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करना है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की एक विशेष उपलब्धि यह है कि पहली बार यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आएंगे। यह आमंत्रण भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक है। यूरोपीय संघ यूरोप के 27 देशों का एक आर्थिक-राजनीतिक समूह है, जो आपसी सहयोग, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सीमा-रहित यात्रा जैसे विषयों पर साझा निर्णय लेता है। गणतंत्र दिवस 2026 की एक और खास बात यह है कि भारतीय सेना पहली बार कर्तव्य पथ पर एक नया 'बैटल ऐरे फॉर्मेशन' प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही दर्शक दीर्घाओं के नाम अब नेताओं के बजाय भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं, जो वीवीआईपी संस्कृति के अंत और जन-प्रधान लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

उभरती हुई अर्थव्यवस्था है भारत-बहरहाल, आज भारत वैश्विक मंच पर लगातार उभरती हुई एक बड़ी शक्ति बन चुका है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जनवरी 2026 के ताज़ा आँकड़ों के अनुसार, भारत ने नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ते हुए यह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुँच चुकी है और यह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, जिसके 2027-28 तक साकार होने की पूरी संभावना है। यह आर्थिक प्रगति मज़बूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश और डिजिटल क्रांति के कारण संभव हुई है।हालाँकि, 76 वर्ष पूरे करने के बावजूद आज भारतीय गणतंत्र के समक्ष कई गंभीर चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। वास्तव में कोई भी गणतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिक जागरूक और सजग हों। यह अत्यंत चिंताजनक है कि वर्तमान समय में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। संवाद, सहमति और असहमति की स्वस्थ परंपरा कमजोर पड़ रही है। मतभेद को देशद्रोह और आलोचना को विरोध मानने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत दुखद है आज संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं पर दबाव और पक्षपात के आरोप गणतंत्र की नींव को चुनौती देते हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर बढ़ता सामाजिक ध्रुवीकरण राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को कमजोर करता है। नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर दबाव, राजनीति का अपराधीकरण, धनबल का बढ़ता प्रभाव, मीडिया और सोशल मीडिया की चुनौतियाँ-जैसे फेक न्यूज़, ट्रोल संस्कृति और प्रोपेगैंडा भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके साथ ही अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ और नागरिक कर्तव्यों-जैसे मतदान, कर भुगतान, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मर्यादा-के प्रति बढ़ती उदासीनता गणतंत्र को कमजोर करती है।आर्थिक दृष्टि से भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार घरेलू बचत में कमी आई है, परिवारों की बचत घट रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ी है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

पर्यटन दिवस: भारत की विविधता एवं विकास का उत्सव

- कांतिलाल मांडोत

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थ व्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

और पर्यटन नीति का विकास

भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था।

वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है।लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन और पर्यावरणीय दबाव अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं। पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है। यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं। यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है। जिम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है। अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।

उप्र में धर्म में आपसी मतभेद शांति से हल करने चाहिए

- संजय गोस्वामी

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य और पुलिसवाले आमने-सामने आ गए। फिर जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद शंकराचार्य शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए।शंकराचार्य के शिष्य की पिटाई हुई एसओजी ने अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी को ढकेलकर बाहर निकाला द्वारका पीठ के शंकराचार्य बोले- यह गौ हत्या जैसा पाप क्है और सभी पीठो के शंकराचार्य ने योगी सरकार के कदम का विरोध किया,उधर रामभद्राचार्य बोले- अविमुक्तेश्वरानंद ने अन्याय किया अब कौन क्या बोल रहा है इस पर शांति से काम लेना चाहिए पहली बात तो ऐ है कि कौन भगवान का सच्चा भक्त है ऐ समझ में नहीं आता है मारना पीटना किसी को भी शोभा नहीं देता सीखो भगवान राम से जिन्होंने अपने राज़धर्म में किसी जनता पर अन्याय नहीं किया राम को लेकर आए है और इसलिए हमें भी लाइए कितनी बार मैं सुन चुका हूँ लेकिन ऐसा नहीं सुना की अहम में अपने को ही भूल गए मैं ही सब कष्टों का कारण है इसे आने ना दो।पहले सभी सनातन जो हिन्दू धर्म के हित धारक होते है उनके बारे में कुछ जाने सबसे बड़ा सनातनी में सर्वोच्च भाव त्याग का होता है वो भी परमार्थ हेतु, *मैं* और *मेरा*, इस भाव का त्याग है। फल की इच्छा या भविष्य की कोई चिंता नहीं होती। कर्ताभाव नहीं होता। कोई दुनियवी इच्छा नहीं रहती। संस्कृत में सन्यासी शब्द का अर्थ होता है सम्यक + न्यास = पूर्ण रूप से छोड़ देना। फिर वह कहीं भी रहता हो जंगल या महल में। मन से सब कुछ त्याग चुका होता है। किसी में भी लिप्त नहीं रहता। यह स्थिति कोई रास्ता नहीं है। मंजिल है। इसमें स्थूल त्याग इतना महत्व नहीं रखता। भारतीय अध्यात्म और शास्त्र परंपरा में परिव्राजक और संन्यासी दोनों शब्द त्याग के मार्ग को दर्शाते हैं, लेकिन इनके सूक्ष्म अर्थ और जीवनशैली में कुछ बुनियादी अंतर हैं। इसे आसान भाषा में इस प्रकार समझ सकते हैं- 1। परिव्राजक परिव्राजक शब्द का मूल अर्थ है— निरंतर घूमने वाला (परि = चारों ओर, व्राजक = चलने वाला)। * मुख्य विशेषता- परिव्राजक वह है जिसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं होता। वह एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकता (आमतौर पर वर्षा ऋतु को छोड़कर)। * उद्देश्य- इनका मुख्य उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना और स्वयं को मोह-माया से दूर रखने के लिए किसी एक स्थान से जुड़ाव न रखना है। * एक उपमा- उन्हें बहते पानी की तरह माना जाता है जो कभी रुककर गंदा नहीं होता। 2। संन्यासी संन्यासी शब्द का मूल अर्थ है— जिसने पूर्ण त्याग कर दिया हो (सम् + न्यास)। * मुख्य विशेषता- संन्यास एक अवस्था या आश्रम है। जब व्यक्ति संसार के सभी कर्तव्यों (गृहस्थ जीवन) से मुक्त होकर स्वयं को परमात्मा या आत्म-ज्ञान के लिए समर्पित कर देता है, तो वह संन्यासी कहलाता है। * उद्देश्य- इसका मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्त करना और अहंकार का पूर्ण विनाश करना है। संन्यासी एक जगह आश्रम में रहकर भी साधना कर सकता है। दोनों में मुख्य अंतर आधार व परिव्राजक का है संन्यासी में गतिशील, निरंतर भ्रमणशील रहता है (घुमक्कड़)। 7 एक स्थान पर रुक सकता है (आश्रम या कुटिया में)। 7 परिव्रज्या यानी घर-बार छोड़कर भ्रमण करना। 7 न्यास यानी सब कुछ छोड़कर आत्मस्थ होना। 7 7 जिसकी जीवनशैली भिक्षा मांगकर और यात्रा करके जीवन बिताना होता है और ध्यान, तपस्या और शास्त्र चिंतन में लीन रहना। प्राथमिकता में वैराग्य और लोक-शिक्षा के लिए यात्रा करना और त्याग, वैराग्य और मोक्ष के लिए स्थिर साधना करना होता है । 7 आप कह सकते हैं कि हर परिव्राजक एक संन्यासी होता है, लेकिन हर संन्यासी ज्ञानी हो यह जरूरी नहीं। * यदि एक संन्यासी एक जगह बैठकर तपस्या कर रहा है, तो वह केवल संन्यासी है। * यदि वही संन्यासी गांव-गांव घूमकर ज्ञान बाँट रहा है और कहीं रुकता नहीं है, तो उसे परिव्राजक कहा जाता है। स्वामी विवेकानंद को अक्सर परिव्राजक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पूरे भारत की पैदल यात्रा की थी। क्या आप इन दोनों श्रेणियों में आने वाले किसी विशेष महापुरुष या उनके दर्शन के बारे में और विस्तार से जानना चाहते हैं? आचार्य तुलसी ने प्रेक्षा ध्यान को आरंभ किया जिसको अचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत ऊंचाई प्रदान की। मैं जैनिज्म पर भी कलेक्शन कर रहा हूं कभी ना कभी पुस्तक लिखूंगा। जैन धर्म को बहुत गहराई से समझा है। उसके गुरुओं का जीवन यदि तुमको मालूम हो जाए तो तुम्हारी आंखों से आंसू आ जाएंगे इतना कष्ट कहते हैं अपने शिष्यों को सुधारने के लिए। दिगंबर ऋषि आचार्य तरुण सागर महाराज ने प्रतिज्ञा की थी तो उन्होंने तबीयत खराब होने पर दवा नहीं ली अपने प्राण त्याग दिए।शक्तिपात परंपरा का हूं उसमें तो उपवास द्वारा भी नहीं है अधिक। इसके अतिरिक्त बंधन मुक्त होने के लिए कुंडलिनी शक्ति का प्रयोग होता है। और मेरी निगाह में भी यह आवश्यक नहीं है। ईश्वर की प्राप्ति के लिए बंधन मुक्त होना है बंधन नहीं करना है लेकिन यह भी एक परंपरा है सनातन की जिसको कि हमको जानना चाहिए और हमको इन परंपराओं का भी सम्मान करना चाहिए अर्थात हम भले ही ना करें जो नहीं कर रहे हैं उनके लिए अलग बात है लेकिन जो कर रहे हैं उनका सम्मान करना चाहिए। उनके लिए कोई कष्ट देना नहीं होता है इनमें। उनके लिए यह स्वाभाविक हो जाता है। उनकी शक्ति ऐसी है। वह खुशी खुशी यह करते हैं। उनका सामर्थ्य है। लोग इसे कठोरता मानते हैं क्योंकि वह स्वयं कर नहीं सकते और करेंगे तो पीड़ा होती है इसलिए उनको लगता है कि ये जबरदस्ती से कर रहे। जबकि उनके लिए तो ये बिल्कुल स्वाभाविक है- बहुत साल पहले से चाय पीना छोड़ दिया था। कभी इच्छा भी नहीं होती। जबकि लोग चाय न पिए तो दिन खराब हो जाता है। उनके लिए यह अस्वाभाविक है लेकिन जो चाय नहीं पीते उनके लिए यह स्वाभाविक है। उनकी स्फूर्ति चाय के ऊपर आधारित नहीं है। = जैन मुनि कभी वाहन में नहीं बैठते पदयात्रा करते हैं जीवन भर हम में से कितने लोग करते हैं मॉर्निंग वॉक तो होती नहीं।

कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, एनडीएमसी अब उन्हें भी देगी सरकारी नौकरी जैसी स्वास्थ्य सेवा

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अनुबंधित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को सरकारी कर्मचारियों जैसी स्वास्थ्य सेवा देने का फैसला किया है। इसके तहत निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज मिलेगा, जिससे करीब चार हजार लोगों को लाभ होगा। एनडीएमसी का दावा है कि वह ऐसा करने वाला देश का पहला निकाय है। यह सुविधा 12 से 25 साल तक काम करने वाले कर्मचारियों को मिलेगी। परिषद ने एलईडी लाइटें लगाने और खराब पानी के मीटर बदलने के प्रस्ताव भी पारित किए हैं। एनडीएमसी का दावा है कि ऐसा करने वाला वह पहला देश का निकाय है जिसने अपने स्थायी कर्मचारियों के साथ ही अनुबंधित कर्चारियों को भी सरकारी नौकरी जैसी स्वास्थ्य सेवा प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि एनडीएमसी ने करीब दो वर्ष पूर्व 4500 अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किया गया था। इसके बाद एनडीएमसी ने यह भी घोषणा की थी वह 12 वर्ष से अधिक काम कर रहे अनुबंधित कर्मचारियों के स्थान पर स्थायी नियुक्ति नहीं जब तक की वह कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति की उम्र पूरी कर नहीं लेती। इससे इन कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई थी।

आम लोगों के लिए 3 फरवरी से खुलेगा अमृत उद्यान

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च तक आम जनता के लिए खुलेगा। पर्यटक मंगलवार से रविवार तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रंग-बिरंगे फूलों का दीदार कर सकेंगे। प्रवेश नि:शुल्क है और ऑनलाइन या गेट नंबर 35 से टिकट प्राप्त किया जा सकता है। केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से शटल बस सेवा भी उपलब्ध होगी। वह घर बैठे आधिकारिक वेबसाइट पर बुकिंग कर सकते हैं या सीधे गेट नंबर 35 पर लगे कियोस्क से टिकट ले सकते हैं। इसके अलावा पर्यटकों की सुगम यात्रा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक हर 30 मिनट पर विशेष शटल बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

साउथ दिल्ली में लगने वाला जाम अब होगा आधा

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दक्षिण दिल्ली में ट्रैफिक जाम से राहत के लिए एमबी रोड पर साकेत से पुल प्रहलादपुर तक 6 लेन एलिवेटेड रोड और दो अंडरपास बनाने को मंजूरी मिली है। यह परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी होगी। दक्षिण दिल्ली में रोज लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से जूझ रहे लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। दिल्ली सरकार की वित्त व्यय समिति ने ट्रैफिक के लिहाज से बेहद अहम दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इनमें एमबी रोड पर साकेत जी-ब्लॉक से पुल प्रहलादपुर तक 6 लेन का एकीकृत एलिवेटेड रोड और दो अंडरपास का निर्माण शामिल है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 1471.14 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में वित्त व्यय समिति की बैठक हुई। बैठक में परियोजना की तकनीकी, वित्तीय और संरचनात्मक रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई।

द्वारका उपनगरी के चौराहे की सुंदरता बढ़ाएंगे नए फव्वारे

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने द्वारका के सेक्टर 6/7 और 5/6 चौराहों पर नए फव्वारों का उद्घाटन किया। डीडीए द्वारा निर्मित ये फव्वारे द्वारका की सुंदरता बढ़ाएंगे और राहगीरों को शांति प्रदान करेंगे। सक्सेना ने दिल्ली के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताई, विशेषकर द्वारका को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने पर जोर दिया। इन फव्वारों में आधुनिक डिजाइन, एलईडी लाइटें और फूलों की लैंडस्केपिंग है। द्वारका के व्यस्त चौराहों से गुजरने वाले हजारों दैनिक यात्रियों को मानसिक शांति और ताजगी भरा अनुभव प्रदान करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद कमलजीत सहरावत, पालम के विधायक कुलदीप सोलंकी, मटियाला के विधायक संदीप सहरावत और डीडीए के उपाध्यक्ष एन सरवणा कुमार सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि हम दिल्ली की बढ़ती शहरी जरूरतों और लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप राजधानी का समग्र विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले कुछ समय में द्वारका में विकास की गति तेज हुई है और आने वाले समय में इसे और भी स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाया जाएगा। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि इन फव्वारों को समकालीन डिजाइन और पर्यावरण की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ये फव्वारे 2.8 मीटर ऊंचे हैं और इन्हें 4.5 मीटर व्यास वाले आकर्षक सैंडस्टोन (टीक और रेनबो सैंडस्टोन) के टब में स्थापित किया गया है।

दिल्ली- एनसीआर में बारिश के बाद लुढ़का पारा तेज हवाओं के साथ कंपाने वाली ठंड

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली एनसीआर में बारिश के बाद सर्दी फिर से लौट आई हैं। बर्फीली हवाओं की वजह से तापमान में अच्छी-खासी गिरावट दर्ज की गई वहीं हवा की क्वालिटी में भी सुधार हुआ है। दिल्ली एनसीआर में शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश को तेज हवाओं के बाद मौसम एकदम बदल गया हैं। बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट आई जिससे राजधानी में सर्दी फिर से लौट आई हैं। शनिवार तड़के दिल्ली में घना कोहरा देखने को मिला, मौसम विभाग की मुताबिक दिल्ली में आज भी ठंडी हवाओं का असर देखने को मिलेगा और सर्दी महसूस होगी। हालांकि आज मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से शुक्रवार को पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज बारिश के बाद मौसम बदल गया हैं। दिल्ली के ज़्यादातर हिस्सों में अच्छी खासी बारिश हुई, वहीं बर्फीली हवाओं की वजह से तापमान में तेजी से गिरावट आई हैं। मौसम विभाग के मुताबिक़ अगले तीन दिन दिल्ली में सर्दी का दौर जारी रहेगा। इस दौरान यहां अधिकतम तापमान में 20 डिग्री से से कम ही रहने का अनुमान हैं। दिल्ली में आज सुबह हल्का कोहरा देखने को मिला लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही ये साफ हो जाएगा, इस दौरान दिन भर आंशिक तौर पर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। दिन चढ़ने के साथ हल्की धूप भी निकलेगी लेकिन, बर्फीली हवाओं की वजह से ठंडक महसूस होती रहेगी। दिल्ली में आज 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर में हुआ रोजगार मेला का आयोजन 336 नव चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

ग्वालियर 25 जनवरी (निस) भारत सरकार के नियुक्ति मिशन के अंतर्गत 24 जनवरी को टेकनपुर स्थित सीमा सुरक्षा बल अकादमी में आयोजित हुए रोजगार मेले में 336 नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर सहित देश के अनेक स्थानों पर रोजगारो मेलो का आयोजन किया गया।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में अपर महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर आनंद प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में रोजगार मेला आयोजित हुआ। महानिरीक्षक इस अवसर पर संयुक्त निदेशक श्री ब्रिजेश कुमार भी उपस्थिति थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में शामिल होने आए अभ्यर्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत, दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी सरकार का निरंतर प्रयास है कि भारत की युवाशक्ति के लिए देश-दुनिया में नए-नए अवसर बनें। आज भारत सरकार, अनेक देशों से ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है। ये ट्रेड एग्रीमेंट भारत के युवाओं के लिए अनेकों नए अवसर लेकर आ रहे हैं। इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों ने पारदर्शी पहल के लिये प्रधानमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

अपर महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल आनंद प्रताप सिंह ने कहा कि रोजगार मेला एक कार्यक्रम भर नहीं बल्कि उज्जवल भविष्य के दिशा में सशक्त कदम भी हैं 7 61,000 से अधिक नव चयनित अभ्यर्थियों जिनको नियुक्ति पत्र देश में कुल 45 केन्द्रों में दिए जा रहे है, भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों एवं विभागों में, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रि?र्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा बल, सशस्त्र सीमा बल, असम राइफल्स सहित विभिन्न विभाग जो न केवल देश की सुरक्षा की री? है बल्कि अनुशासन सेवा एवं बलिदान की जीवंत मिसाल भी हैं 7 आज का दिन आपके परिश्रम, धैर्य एवं संकल्प का परिणाम है 7 शारीरिक एवं मानसिक चुनैतियों को पार करके यह मुकाम हासिल किया है 7 यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं बल्कि परिवार एवं समाज के लिए भी गर्व का विषय है 7 उन्होंने चयनित अभियार्थियो से कहा की स्वयं को तकनिकी रूप से दक्ष एवं समय के साथ अपडेट रखे एवं सुरक्षित राष्ट्र बनाने में योगदान दें 7

संयुक्त निदेशक श्री बृजेश कुमार ने कहा कि रोजगार मेला का उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों एवं विभागों में रोजगार एवं स्वरोजगार से रिक्त पदों को शीघ्र भरना है 7 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में ग्वालियर सहित देश के अनेक स्थानों में आयोजित हुए रोजगार मेलों के माध्यम से 61,000 से अधिक नव चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों एवं विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिये नियुक्ति पत्र प्रदान कि गए। संकल्प से सिद्धि राष्ट्रीय अभियान में रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण क?ी हैं। जिसके माध्यम से लाखो कर्मयोगी देश सेवा से जु?ेंगे एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्पूर्ण योगदान देंगे 7 देश भर में 45 केन्द्रों पर आयोजित हुए रोजगार मेलों में से 17 मेलों की जिम्मेदारी देश की प्रथम रक्षा पंक्ति व सीमा सुरक्षा बल को दी गयी।

पॉश एक्ट पर जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटकों से महिलाओं को मिला अधिकारों का संदेश

बिलासपुर 25 जनवरी (निस) महिलाओं के अधिकारों और कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यौन उत्पीडन् अधिनियम 2013 को लेकर जिलेभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शासकीय परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।

शासकीय परिसरों में हुआ नुक्कड़ नाटक का मंचन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत कलेक्टर कार्यालय परिसर, जिला पंचायत स्थित न्यू एवं पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। गुरुघासीदास विश्वविद्यालय के आर्चिस ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नाटकों में कार्यस्थल पर महिलाओं को होने वाले लैंगिक उत्पीडन्, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया, आंतरिक एवं स्थानीय समिति के गठन और संबंधित पोर्टल की जानकारी दी गई। कल्याणकारी योजनाओं और हेल्पलाइन की दी गई जानकारी- कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओङ्कबेटी पढ़ाओ अभियान, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, राष्ट्रीय बालिका दिवस सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही 112 पुलिस हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन एवं 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

जागरूकता से ही मिलेगा महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल-विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करना है।

वीएसके एप से हाजिरी में बिलासपुर पिछड़ा-राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए वीएसके एप से शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था बिलासपुर जिले में बुरी तरह फेल होती नजर आ रही है। तय समय-सीमा और बार-बार चेतावनी के बावजूद शिक्षक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। बिलासपुर जिले में केवल 47.7 प्रतिशत शिक्षकों ने ही वीएसके एप पर पंजीयन कराया है, जबकि महज 6.6 प्रतिशत शिक्षक ही एप के जरिए नियमित अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं। प्रदेशभर में कुल 1 लाख 77 हजार 611 शिक्षकों में से 1 लाख 27 हजार 805 ने एप पर रजिस्ट्रेशन तो कर लिया है, लेकिन केवल 42 हजार 806 शिक्षक ही ऑनलाइन हाजिरी लगा रहे हैं। इस मामले में बिलासपुर सहित 8 जिले सबसे पीछे चल रहे हैं। सबसे खराब स्थिति मुंगेली जिले की है, जहां मात्र 2.3 प्रतिशत शिक्षक ही एप पर उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

तीन दिन में पूरा डाटा करना है अपडेट-वीएसके एप से अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की लापरवाही से नाराज स्कूल शिक्षा विभाग ने अब सख्ती का मन बना लिया है। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस कोचिंग डिपो निर्माण कार्य का जीएम ने किया निरीक्षण

बिलासपुर 25 जनवरी (निस) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने गुरुवार को बिलासपुर में निर्माणाधीन वंदे भारत एक्सप्रेस के अत्याधुनिक कोचिंग डिपो एवं प्रस्तावित पीट लाइन के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के पालन की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक प्रकाश ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक एवं सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों के सुचारु, सुरक्षित और समयबद्ध संचालन के लिए उन्नत रखरखाव सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। कोचिंग डिपो और पीट लाइन के पूर्ण होने से ट्रेनों के मेंटेनेंस कार्यों में तेजी आएगी और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विजय कुमार साहू, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता मनीष अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, अपर मंडल रेल प्रबंधक के. श्रीनिवास, मुख्य परियोजना प्रबंधक सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप करें काम-निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और सुरक्षा उपायों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, ताकि भविष्य में वंदे भारत एक्सप्रेस के रखरखाव एवं परिचालन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तेजी लाने निगम कमिश्नर ने दिए निर्देश

नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने राजा रघुराज सिंह स्टेडियम का निरीक्षण कर वहां चल रहे नवीनीकरण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए तय समय-सीमा के भीतर सभी शेष कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम कमिश्नर ने स्पष्ट कहा कि खिलाड़ि?यों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि स्टेडियम में मैदान का समतलीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही पैवेलियन निर्माण, स्प्रिंकलर सिस्टम की स्थापना, प्रतिमा निर्माण और मैदान के विस्तार का कार्य भी पूरा हो चुका है। वर्तमान में पूरे स्टेडियम में रंग-रोगन का कार्य प्रगति पर है। निगम कमिश्नर ने पेंटिंग सहित अन्य बचे हुए कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्लेनेटेरियम का भी किया निरीक्षण-निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने व्यापार विहार स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्लेनेटेरियम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई की स्थिति देखी और उद्यान को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। प्लेनेटेरियम शैक्षणिक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है, इसलिए यहां आने वाले नागरिकों और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में दिव्यों की स्थिति, समन्वय, सहयोग पर विमर्श

बस्ती 25 जनवरी (निस) नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, इंडिया द्वारा आरसीआई से एक्रेडिटेड तीन दिवसीय ऑफलाइन सीआरई कार्यक्रम का आयोजन गोरखपुर स्थित 'राजकीय स्पर्श बालिका इंटर कॉलेज' में किया गया। इसमें बस्ती से लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विशेष शिक्षकों के लिये ब्रेल साक्षरता कौशल संवर्धन पर विमर्श किया गया। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, इंडिया द्वारा गोरखपुर में 'राजकीय स्पर्श बालिका इंटर कॉलेज एवं राजकीय स्पर्श बालक इंटर कॉलेज', तथा लखनऊ में 'राजकीय स्पर्श बालिका एवं बालक इंटर कॉलेज' को 'कंप्यूटर एजुकेशन' हेतु निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में 'मुख्य अतिथि' के रूप में 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, गोरखपुर मंडल' के उपनिदेशक अनूप कुमार सिंह' उपस्थित रहे। 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में एनएबी इण्डिया के 'मानद सचिव गोपाल कृष्ण अग्रवाल', 'संत बली चौधरी जी' एवं 'श्रीमती प्रियंका सिंह कार्यकारिणी सदस्य, एनएबी इण्डिया की उपस्थिति रहीं। 'ऑनलाइन माध्यम' से एनएबी इण्डिया की 'कार्यक्रम समन्वयिका वंदना बरनवाल' एवं 'कोर्स कोऑर्डिनेटर जयश्री ठाकुर' भी कार्यक्रम से जु?ी रहीं। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों का 'माल्यार्पण' किया गया। इसके बाद 'दृष्टिबाधित बालिकाओं' द्वारा 'सरस्वती वंदना' प्रस्तुत किया गया ।

कार्यक्रम में 'श्री जवाहरलाल जी', 'प्रधानाचार्य, राजकीय स्पर्श बालिका इंटर कॉलेज' द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। तीन दिवसीय सीआरई कार्यक्रम' के कोऑर्डिनेटर राम सुरेश द्वारा समन्वय किया गयाऔर विनोद कुमार उपाध्याय, रामजी शुक्ला, राजकुमार यादव, पुष्पेश आर्य' सहित कुल '50 अध्यापकों' ने सहभागिता की। संचालन 'राजकीय स्पर्श बालिका इंटर कॉलेज' के 'प्रवक्ता प्रदीप कुमार मिश्रा ने किया।

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे बस्ती के अजय पाण्डेय

26 जनवरी को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में इन्दिरा चैरिटेबल सोसाइटी के सीईओ एवं ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार के सदस्य, बस्ती के अजय पाण्डेय हिस्सा लेगे। सामाजिक अधिकारिता न्याय मंत्रालय भारत सरकार ने अजय पाण्डेय को उत्तर प्रदेश का राज्य सम्पर्क अधिकारी भी नामित किया है। ट्रांसजेंडरों का पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा में जो?ने में प्रमुख सरकारी पहलों के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इन्दिरा चैरिटेबल सोसाइटी के सीईओ अजय पाण्डेय को सामाजिक अधिकारिता न्याय मंत्रालय भारत सरकार की मदद से रक्षा मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा है। यह जानकारी देते हुये अजय पाण्डेय ने बताया कि यह जनपद के लिये गौरव का क्षण है। निश्चित रूप से वे गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। ज्ञात रहे कि पिता स्वर्गीय डॉ. हरिहर प्रसाद पाण्डेय के निधन के बाद अजय ने सरकारी सेवाओं से त्यागपत्र देते हुए पिता के बनाए संस्था के माध्यम से अपना जीवन समाज सेवा को समर्पित कर दिया ।बस्ती में हाशिए पर प? ट्रांसजेंडरों के कल्याण के लिए अजय ने कई योजनाएं संचालित किया ।

दिल्ली में आधी रात ठांय-ठांय- हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर मोगली के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली पुलिस ने हिरनकुडना में मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 5 हजार का इनामी बदमाश विक्की पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार देर रात पुलिस का बड़ा ऐक्शन देखने को मिला। पुलिस ने एनकाउंटर के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई उईआर-2 फ्लाईओवर के पास हिरनकुडना-दिचाउ गांव वाली सड़क पर हुई, जहां पुलिस ने संदिग्धों की कार को रोका था। जब पुलिस टीम ने कार को रोकने का प्रयास किया, तो विक्की उर्फ मोगली नाम के आरोपी ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी में फायरिंग की, जिसमें विक्की के बाएं पैर में गोली लग गई। उसे तुरंत राव तुला राम मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल रेफर किया गया। उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। 37 वर्षीय विक्की, हरियाणा के बहादुरगढ़ का निवासी है। हरियाणा पुलिस ने उसके सिर पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। वह रोहतक जिले के मेहम थाने में दर्ज दोहरे हत्याकांड और संपला थाने में एक अन्य हत्या के मामले में वांछित था। इसके अलावा उसके खिलाफ हथियार रखने, मारपीट और कई अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ट्रैफिक सिग्नल पर फूल बेच रही 10 साल की मासूम को ई-रिक्शा चालक ने उठाया जंगल में किया रेप

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने 15 मार्गों के लगभग 300 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपी दुर्गेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। नई दिल्ली में एक बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया है। दिल्ली के प्रसाद नगर इलाके में 10 साल की एक बच्ची का अपहरण कर उसके साथ रेप किया गया। पुलिस ने इस मामले में 25 वर्षीय ई-रिक्शा चालक दुर्गेश को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार यह वारदात 10 जनवरी की है। बच्ची ट्राफिक सिग्नल पर गुलाब बेच रही थी। इसी दौरान आरोपी ने यात्रियों को उतारने के बाद अपना ई-रिक्शा रोका। जब बच्ची फूल बेचने उसके पास पहुंची, तो आरोपी ने उसे सारे गुलाब बिकवा देने का झांसा दिया और ई-रिक्शा में बैठा लिया। इसके बाद वह बच्ची को एक सुनसान जंगल इलाके में ले गया, जहां उसके साथ रेप किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बच्ची को मृत समझकर बेहोशी की हालत में खून से लथपथ छोड़ दिया और मौके से फरार हो गया। कुछ समय बाद होश में आने पर बच्ची किसी तरह अपने परिवार तक पहुंची। उसकी हालत देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

26 जनवरी को कितने बजे मिलेगी पहली मेट्रो डीएमआरसी ने बदला समय

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली मेट्रो 77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ परेड में शामिल होने वालों के लिए विशेष सुविधा दे रही है। 26 जनवरी को मेट्रो सेवा सुबह 3 बजे से शुरू होगी ताकि लोग आसानी से परेड में पहुंचे। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर हर साल की तरह भव्य परेड होगी। इस परेड में शामिल होने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो खास सुविधा देने जा रहा है। दरअसल, ऐसा पहली बार हो रहा है जब परेड के निमंत्रण पत्र के साथ आने-जाने के लिए मेट्रो का फ्री टिकट भी दिया गया है। साथ ही, 26 जनवरी को मेट्रो सेवा तड़के 3.00 बजे से शुरू हो जाएगी। दिल्ली में 23 जनवरी को होने वाले फुल ड्रेस रिहर्सल और गणतंत्र दिवस के दौरान कुछ मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के बयान के अनुसार, दोनों दिन केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन (गेट 3 और 4), उद्योग भवन (गेट 1), लाल किला (गेट 3 और 4) और जामा मस्जिद (गेट 3 और 4) पर प्रवेश या निकास प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन के गेट 1, 4 और 5 पर प्रवेश और निकास बंद रहेगा, जबकि आईटीओ मेट्रो स्टेशन के गेट 3, 4 और 6 पर प्रतिबंध लागू रहेंगे।

दिल्ली के बांसेरा पार्क में लगेगी कश्मीर जैसी हाउसबोट

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) इस बोट को पूरी तरह पारंपरिक कश्मीरी शैली में तैयार किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग तरह की लकड़ियों का इस्तेमाल किया जाएगा। नींव के पास देवदार की लकड़ी होगी। ऊपरी ढांचे में सीडर लकड़ी का उपयोग किया जाएगा। नक्काशी और सजावट के लिए अखरोट की लकड़ी इस्तेमाल होगी। दिल्ली अब केवल ऐतिहासिक इमारतों, मॉल और सड़कों तक अपनी पहचान सीमित नहीं रखना चाहती। राजधानी दिल्ली धीरे-धीरे अपने हरे भरे इलाकों और नदी किनारे के क्षेत्रों को नए रूप में विकसित करने की ओर आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए ने बांसेरा पार्क के पास नया पर्यटन हब बनाने का फैसला किया है। इसके तहत यहां पर एक पारंपरिक कश्मीरी शैली की हाउसबोट तैयार की जाएगी, जिसकी लागत करीब चार करोड़ रुपये होगी। यह हाउसबोट असली पानी में तैरने वाली नाव नहीं होगी, बल्कि जमीन पर स्थायी रूप से बनाई जाएगी। इसे इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि देखने में बिल्कुल कश्मीर की डल झील में तैरने वाली हाउसबोट जैसी लगे। डीडीए का मानना है कि यह बोट आने वाले पचास सालों तक सुरक्षित और मजबूत बनी रहेगी। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य केवल एक नई इमारत बनाना नहीं है, बल्कि यमुना किनारे के इलाके को एक नए पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। इससे दिल्ली के लोगों को शहर के अंदर ही एक अलग तरह का अनुभव मिलेगा।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली हाईकोर्ट ने तुर्कमान गेट हिंसा मामले में आरोपी उबैदुल्लाह को मिली जमानत रद्द कर दी है। कोर्ट ने मामला दोबारा सुनवाई के लिए सेशन कोर्ट भेज दिया है। तुर्कमान गेट इलाके में अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई हिंसा के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस केस में आरोपी उबैदुल्लाह को मिली जमानत को रद्द कर दिया है। वहीं मामले को दोबारा सुनवाई के लिए सेशन कोर्ट भेज दिया है। जस्टिस प्रतीक जलान ने कहा कि आमतौर पर अदालतें किसी की व्यक्तिगत आजादी में दखल देने से पहले बहुत सतर्क रहती हैं, लेकिन यह मामला अलग और असाधारण है।

तेज याददाश्त के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार दें

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं।

मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।'

जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद न लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर -बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। वाकर -बच्चा जल्दी चलना सीख

लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

बच्चों से होमवर्क करवाना सरल नहीं होता, सहजता से पेश आएं

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की दोस्ती हो जाए, यह जानना जरूरी है।

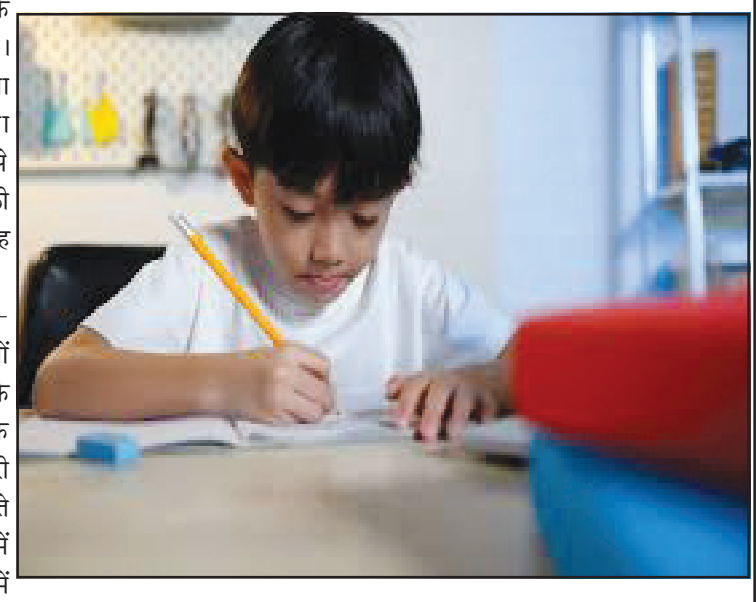

प्रेरित करें -- आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

होमवर्क की अहमियत समाझाएं--बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी --बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है--बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें--अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

रसायनयुक्त माउथफ्रेशनर का प्रयोग न करें

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्किर बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है। अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें। जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

बच्चों के बोर्ड एग्जाम जल्द, तनावमुक्त बनाए रखें

12 वहीं बोर्ड परीक्षा छात्रों के लिए बॉर्ड परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण होती है। पूरे साल मेहनत करने के बाद छात्रों को बॉर्ड परीक्षा देनी होती है। अगर आपकी बॉर्ड परीक्षा इस साल है, तो इन जरुरी टिप्स को जरुर फॉलो करें। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 की डेटशीट जारी होने के बाद कई विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव महसूस होने लगा है। छात्रों में बॉर्ड परीक्षा को लेकर काफी चिंता तो रहती है, लेकिन कोशिश करें कि आप इसे हावी न होने दें। अन्यथा आपका परीक्षा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। बॉर्ड परीक्षा के लिए पढ़ाई पर ध्यान देना जरुरी है और तनाव से दूर रहे। आप परीक्षा के बारे में चिंता करने के बजाय किसी भी तनाव को कम करने के लिए आप ये उपाय करें।

शारीरिक रुप से स्वस्थ रहे

-नियमित व्यायाम करें- व्यायाम मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

स्वस्थ आहार का सेवन- अगर आप पौष्टिक भोजन का सेवन करेंगे तो शरीर और दिमाग को शक्ति मिलती है। पर्याप्त नींद लें- हर दिन 7 से 8 घंटे की नींद लेने से तनाव कम करने में मदद मिलती है और दिमाग भी स्वस्थ रहता है।

दोस्तों और परिवार से सहयोग

परिवार का समर्थन- बॉर्ड परीक्षा की तैयारी करते समय, परिवार का सपोर्ट बेहद आसान कर देता है।

दोस्तों से सहयोग- यदि आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताते हैं, तो पढ़ाई में काफी एनर्जी मिलती है।

शिक्षको का सहयोग- अपने टीचर के सलाह का पालन करके आप अपने विषयों को आसानी से समझ सकते है। योग और मेडिटेशन करें- योग और ध्यान के अभ्यास करने से मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं और तनाव के स्तर को कम करते हैं। सकारात्मक सोचे- आप जितना सकारात्मक सोचेंगे उतना ही तनाव कम होगा और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

समय प्रबंधन- टाइम मैनजमेंट का अभ्यास करने से तनाव कम होता है और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित होता है।

अभ्यास- दैनिक अभ्यास से तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

ग्रुप स्टडी - दूसरों के साथ अध्ययन करने से तनाव कम होता है और भ्रम दूर होता है।

यदि आप बोर्ड परीक्षाओं में सफल होना चाहते हैं तो आपको तुरंत पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। दो महीनों में, आप आसानी से पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं, जिसके बाद आप दोहराना शुरू कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आप खुद पर दबाव न डालें।

समय से पहले युवा होते किशोरों में घट रही सीखने की क्षमता - समय से पहले युवा होने वाले किशोरों में सीखने की क्षमता कम होती है। आजकल जिस प्रकार मिलावट हो रही है और खानपान में रसायनों का प्रयोग बढ़ राह है उससे बच्चे समय से पहले किशोर हो रहे हैं। हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार युवावस्था के दौरान प्यूबर्टी (यौवन से संबंधित) हॉर्मोन सीखने की क्षमता को बाधित करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस तरह का बदलाव ये हॉर्मोन मस्तिष्क के एक खास हिस्से को प्रभावित करते हैं।बार्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन की मुख्य लेखक लिंडा विलब्रेख्त ने कहा,हमने पाया है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स के लिए एक लिंक की तरह काम करता है, जो सीखने की क्षमता में बाधा पैदा करता है।

विलब्रेख्त ने कहा, आधुनिक शहरी परिवेश में लड़कियां तनाव और मोटापे की समस्या के कारण समय से पहले बड़ी हो रही हैं, जो स्कूलों में उनके खराब प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

जानवरों में जब प्यूबर्टी से संबंधित हॉर्मोन इंजेक्ट किया गया, तो शोधकर्ताओं ने उनके फ्रंटल कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में महत्वपूर्ण बदलाव देखा। ये बदलाव फ्रंटल मस्तिष्क में हुए, जो सीखने, ध्यान देने तथा स्वभाव के नियंत्रण से जुड़ा है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले लेखक ने कहा, हमारी जानकारी में यह पहला अध्ययन है, जो यह दर्शाने में कामयाब हुआ है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में बदलाव लाते हैं।

बेल्डिग स्क्रिब्नर-किडनी डायलिसिस के मुख्य आविष्कारक

- संजय गोस्वामी

बेल्डिंग स्क्रिब्नर का जन्म 18 जनवरी, 1921 को शिकागो में हुआ था और उन्होंने विलियम्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया एट बर्कले और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ़ मेडिसिन में पढ़ाई की, जहाँ उन्हें 1945 में रूष्ठ. की डिग्री मिली। स्टैनफोर्ड में वे डॉ. थॉमस एडिस के मार्गदर्शन में आए, जिन्होंने सबसे पहले उन्हें किडनी की बीमारी की चुनौतियों से परिचित कराया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को जनरल हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन में रेजिडेंसी पूरी की, जिसके बाद मेयो क्लिनिक में मेडिसिन में फेलोशिप की। मेयो क्लिनिक में रहते हुए, डॉ. स्क्रिब्नर ने पहली बार जॉन मेरिल के एक लेक्चर से कोल्फ़-ब्रिघम रोटेटिंग ड्रम आर्टिफिशियल किडनी के अनुभव के बारे में सुना। बेल्डिंग एच स्क्रिब्नर ने एक ऐसे डिवाइस का आविष्कार किया, जिसका श्रेय दुनिया भर में किडनी फेलियर वाले दस लाख से ज़्यादा मरीज़ों की जान बचाने को जाता है। हालाँकि शुरुआत में उनके काम का मज़ाक उड़ाया गया था, लेकिन यह उनके आविष्कार की असाधारण सफलता ही थी जिसने एक बड़े नैतिक दुविधा को जन्म दिया। मशहूर रॉबर्ट विलियम्स द्वारा सिएटल में भर्ती किए जाने के बाद, वे 1951 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में फैकल्टी में शामिल हुए और 1958 में उस संस्थान में नेफ्रोलॉजी डिवीजन के पहले प्रमुख बने, इस पद पर वे 24 साल तक रहे। वे 1990 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ़ मेडिसिन बने और 1984 से 1991 में अपनी रिटायरमेंट तक बेल्डिंग एच. स्क्रिब्नर एंडाउड चेयर इन मेडिसिन के पद पर रहे। रिटायरमेंट के बाद, वे कई सालों तक हर हफ़्ते नेफ्रोलॉजी डिवीजन में लौटते रहे ताकि मेडिकल छात्रों को अपनी बहुत लोकप्रिय फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस क्लास पढ़ाते रहें। नेफ्रोलॉजी में डॉ. स्क्रिब्नर का योगदान उस काम से कहीं ज़्यादा था जिसने पहली बार क्रोनिक डायलिसिस को संभव बनाया। आने वाले सालों में, उन्होंने इस नई टेक्नोलॉजी को दुनिया भर के डॉक्टरों के साथ उत्साह से साझा किया, जो अपने मरीज़ों को क्रोनिक डायलिसिस कैसे देना है, यह सीखने के लिए सिएटल आए थे। उन्होंने अपने प्रोडक्टिव करियर का बाकी समय एंड-स्टेज रीनल केयर के कई पहलुओं पर अथक प्रयास करते हुए बिताया, जिसमें डायलिसिस ट्रीटमेंट की टेक्नोलॉजी में सुधार से लेकर सामान्य मेडिकल और सामाजिक मुद्दे शामिल थे जो एंड-स्टेज रीनल बीमारी वाले मरीज़ों की इस नई और बढ़ती आबादी के कारण पैदा हुए थे। वे और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में उनके ग्रुप ने क्रोनिक रीनल फेलियर वाले मरीज़ों को होने वाली कई मेडिकल समस्याओं, जैसे एनीमिया, रीनल ऑस्टियोडिस्ट्रॉफी और तेज़ कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, को परिभाषित करने और उनके सफल इलाज को डिज़ाइन करने में सबसे आगे थे। उन्होंने होम हेमोडायलिसिस/सेल्फ केयर की शुरुआत की। रात भर पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए नई मशीनों के विकास के साथ इंटरमिटेंट पेरिटोनियल डायलिसिस को एक उपचार पद्धति के रूप में बेहतर बनाया गया। टेंकऑफ कैथेटर को हेनरी टेंकऑफ ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय में डॉ. स्क्रिब्नर के

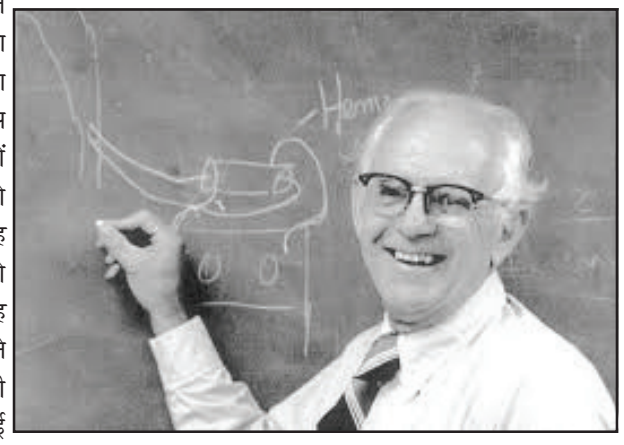

कार्यक्रम में काम करते हुए विकसित किया था। डॉ. स्क्रिब्नर के कृत्रिम आंत के विजन से सिएटल में ब्रोवियाक-हिकमैन, बाद में हिकमैन, कैथेटर का विकास हुआ और यह आज की रूटीन टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन थेरेपी का आधार बना। डॉ. स्क्रिब्नर का दृढ़ विश्वास था कि डायलिसिस मुख्य रूप से अस्पताल के बाहर किया जाना चाहिए, इसे कभी भी लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए, और यह सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए। न तो स्क्रिब्नर शंट, और न ही इसके बाद डायलिसिस में हुए किसी भी तकनीकी विकास का कभी पेटेंट कराया गया। 1962 में, किंग काउंटी मेडिकल सोसाइटी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. जेम्स हैविलैंड के साथ मिलकर, डॉ. स्क्रिब्नर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली गैर-लाभकारी, आउट पेशेंट डायलिसिस सुविधा, सिएटल आर्टिफिशियल किडनी सेंटर की स्थापना की, जो तब से बढ़कर अभी भी गैर-लाभकारी नॉर्थवेस्ट किडनी सेंटर बन गया है, जिसमें 12 सैटेलाइट सुविधाएं हैं जो सिएटल/प्यूगेट साउंड क्षेत्र में 1000 से अधिक रोगियों का डायलिसिस करती हैं। 1962 में, उन्होंने दुर्लभ और बहुत महंगी डायलिसिस संसाधनों के आवंटन के संबंध में निर्णय लेने के लिए पहली गुमनाम आम समिति की स्थापना में भी मदद की, ताकि उनसे सबसे अधिक लाभ उठाने वालों को इसका फायदा मिल सके। एक जटिल नैतिक मुद्दे से निपटने के इस तंत्र को अक्सर बायोएथिक्स के आधुनिक अनुशासन की शुरुआत के रूप में जाना जाता है, और डॉ. स्क्रिब्नर को बायोएथिक्स का जनक कहा जाता है। अंत में, वाशिंगटन के सीनेटर हेनरी जैक्सन और वॉरेन मैग्नसन के समर्थन से, डॉ. स्क्रिब्नर ने 1972 में कांग्रेस को मेडिकेयर एंड-स्टेज रीनल डिजीज प्रोग्राम बनाने वाला कानून पारित करने के लिए राजी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने यह सुनिश्चित किया कि सभी अमेरिकियों को जिन्हें इसकी आवश्यकता थी, उन्हें क्रोनिक डायलिसिस थेरेपी तक पहुंच मिलेगी। अपने पूरे करियर और रिटायरमेंट के दौरान, स्क्रिब ??एक पक्के आविष्कारक थे, जिन्होंने न केवल डायलिसिस तकनीक में सुधार पर लगातार काम किया, बल्कि सिएटल में अपने हाउसबोट के डेक से अपने प्यारे रेडियो-नियंत्रित मॉडल हवाई जहाज उड़ाने पर भी काम किया, जिसे वह अपनी पत्नी एथेल के साथ साझा करते थे। लास्कर अवॉर्ड के अलावा, उन्हें और भी सम्मान मिले, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटरनल ऑर्गन्स (1964) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी (1978) के प्रेसिडेंट के तौर पर काम करना, इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिसिन की मेंबरशिप, और अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ फिजिशियन और रॉयल कॉलेज दोनों में फेलोशिप शामिल हैं।डॉक्टरों, और कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जॉन पीटर्स पुरस्कार, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जीन हैम्बर्गर पुरस्कार, नेशनल किडनी फाउंडेशन से डेविड ह्यूम पुरस्कार, अमेरिकन किडनी फंड से टॉर्चबियरर पुरस्कार, गार्डनर फाउंडेशन से एक पुरस्कार, और कई अन्य शामिल हैं।

चौधरी सर छोटू राम के नाम पर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए

हरियाणा, हिमाचल और पंजाब को फिर से एक करना चाहिए : सिमरनजीत सिंह मान

करनाल, 25 जनवरी (संदीप/रविन्द्र) : शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रेसिडेंट स. सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि सर छोटू राम और मेरे बड़े लेफ्टिनेंट कर्नल एस. जोगिंदर सिंह मान दोनों पुराने पंजाब की लाहौर असेंबली में साथ रहते थे। कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1937 में जीते थे और चौधरी साहब ने एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहते हुए किसानों और आम लोगों के हक में बड़ी पहल की थी और उस समय सरकारी लेवल पर किसानों का पूरा कर्ज माफ करके किसान वर्ग से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने और अपने परिवारों की इकॉनमी को मजबूत करने में बहुत मदद मिली थी। वे सभी वर्गों के बीच बहुत इज्जतदार और पॉपुलर पर्सनैलिटी थे। उस समय

पंजाब की पूरी आबादी बहुत आरामदायक माहौल में रह रही थी। क्योंकि राज समय लोग सरकारी जिम्मेदारियों से खुश और संतुष्ट थे। लेकिन देश के बंटवारे के बाद पुराने पंजाब की पूरी आबादी का आरामदायक की कमी आज भी महसूस होता है। यह दुख और अफसोस की बात है कि बंटवारे के बाद पंजाब का जो इलाका दिल्ली यमुना से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख और अफगानिस्तान तक का हिस्सा था, हमारा इलाका भी हरियाणा और हिमाचल में बंट जाने से कम हो गया जो शासकों ने अपने राजनीतिक और स्वार्थी मकसद पूरे करने के लिए किया। जिससे न सिर्फ पंजाब बल्कि हरियाणा और हिमाचल के लोगों को भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी दिली इच्छा है कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल मिलकर एक बड़ा राज्य बनें ताकि हम पहले की तरह एक-दूसरे का साथ देकर अपनी सभी आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक दिक्कतों को दूर कर सकें। उन्होंने कहा कि चौधरी सर छोटू राम जी की खुली सोच और इंसानियत की पहल को याद करते हुए उन्होंने देश के बंटवारे के बाद पंजाब को हरियाणा और हिमाचल में बांटकर छोटा करने के नेताओं के कामों पर अफसोस जताया और उन्हें फिर से एक करने की इच्छा जताई। स.मान ने कहा कि अगर हिमाचल-हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान का पंजाब एक हो जाएं तो दक्षिण एशिया का यह राज्य और खुशहाल और आर्थिक रूप से मजबूत होगा और डेमोक्रेसी और शांति बनाए रखने में भी मददगार होगा। स. मान ने सलाह देते हुए कहा कि सर चौधरी छोटू राम जी की महान शख्सियत और उनके द्वारा पहले हर वर्ग के लिए किए गए कामों को ध्यान में रखते हुए उनके नाम पर एक एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी बनाई जानी चाहिए जिसमें हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और नॉर्थ चंडीगढ़ के लोगों को नई लीडरशिप मिलेगी और आपसी प्यार भी बहुत बढ़ेगा। इस यूनिवर्सिटी में पानी के बहाव के मुद्दे पर भी गहरी ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे सिंधु, झेलम, रावी, ब्यास और सतलुज के पानी का सही इस्तेमाल और मैच्योरिटी के साथ हो सकेगा और सभी को पानी की बड़ी कीमत की गहरी समझ मिलेगी। यह यूनिवर्सिटी घग्गर नदी से हो रहे नुकसान से छुटकारा पाने के तरीके भी निकाल पाएगी, जो अक्सर बारिश के मौसम में हरियाणा और पंजाब के गांवों में जान-माल का नुकसान करती है। यहां यह भी बताना ज़रूरी है कि मेरे ऑफिस में मेरे बड़ों की एक यादगार जॉइंट फोटो भी लगी हुई है, जिनके सर चौधरी छोटू राम के साथ दोस्ताना रिश्ते थे, जो नीचे दी जा रही है। हरियाणा यूनिट के प्रेसिडेंट हरजीत सिंह विर्क ने कहा कि हमें सर छोटू राम की पॉलिसी को फॉलो करके काम करना चाहिए, जैसे सर छोटू राम सबकी भलाई के लिए काम करते रहे वैसे ही हमें भी सबको साथ लेकर चलना चाहिए और सबकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए।

जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में मनाया गया सीएम नायब सैनी का जन्मदिन

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा कर रहा नए कीर्तिमान स्थापित : प्रवीण लाठर

करनाल, 25 जनवरी (सुमन लता) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के कई बड़े नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी के जनसेवा के प्रति उनके समर्पण भाव की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के अवसर पर आज करनाल भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में करनाल के अपना आशियाना में हरियाणा के यशस्वी मुख्य मंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर एवं लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया

एवं इस अवसर पर उनके उज्जवल भविष्य,लम्बी आयु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि सीएम नायब सिंह का जन्म जिला अंबाला के मिर्जापुर माजरा गांव में एक साधारण किसान परिवार के घर 25 जनवरी 1970 को हुआ था। उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए एवं उनकी तारीफ करते हुए कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य मंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ जनसेवा के पति आपका अटूट समर्पण हम सभी के लिए अनुकरणीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और दीर्घायु रहे। आपके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहे। इस अवसर पर उनके साथ शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी,पार्षद सोनू, नवीन बत्रा,मोनिक गर्ग, गौरव नागपाल पूर्व मंडल अध्यक्ष बिशन सिंह शेखावत,पूर्व अर्बन मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, राहुल भटनागर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर आयुवर्ग के उत्थान को संकल्पित मुख्यमंत्री सैनी : डॉ अरविंद शर्मा

सोनीपत, 25 जनवरी (ब्यूरो) : सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आमजन के हितों को समर्पित व्यक्तित्व हैं, जो हर आयुवर्ग के उत्थान को समर्पित रहते हैं। उन्होंने अपनी कार्यशैली और मेहनती व्यवहार से प्रदेश के पौने तीन करोड़ नागरिकों का मन जीता है, यही कारण है कि आज प्रदेश के कोने-कोने में आमजन उनकी लंबी उम्र की कामना कर रहा है।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर गोहाना भाजपा कार्यालय में हवन यज्ञ में पूर्णाहुति डाली व कार्यकर्ताओं संग केक काटा। इसके उपरांत नई सब्जी मंडी परिसर में राजकुमार शर्मा द्वारा आयोजित 21 कुंडीय महायज्ञ एवं भण्डारे में शिरकत करते हुए पूर्णाहुति डाली व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य एवं व दीर्घायु की कामना की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की 36 बिरादरी, हर वर्ग मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन को धूमधाम से मना रहा है। भाजपा की सबका साथ-सबका विकास विचार को प्रदेश में मजबूती से आगे बढाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिन रात आमजन की समस्याओं का निदान कर रहे हैं। सन्त कबीर कुटीर के 24 घण्टे खुले द्वार उनकी जनभावनाओं के प्रति गहरी आस्था और जिम्मेदारी को दर्शाती है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 217 संकल्प लिए गए, जिसमें से 56 संकल्प पूरे किए जा चुके और बाकी संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित, जरूरतमंद के उत्थान की बात हो या लाडो बहनों को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से आर्थिक संरक्षण देना, इसके लिए मुख्यमंत्री ने अपने किए वायदे को जिम्मेदारी से निभाया है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130वें संस्करण को कार्यकर्ताओं संग सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से हर वर्ग को छूने व उसके उत्थान के लिए प्रयासरत रहते हैं। वर्ष 2025 में देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ-साथ स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देने का काम किया। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि देश को आर्थिक मोर्चे पर मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं में आत्मविश्वास भरने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हमें युवाओं के साथ जुडक़र उन्हें आगे बढाने व उन्हें प्रेरित करने पर जोर देना चाहिए।

राजनीति का अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा : कल्याण

गांव नगला चौंक में 80 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक केंद्र का किया शिलान्यास

घरौंड़ा, 25 जनवरी (नरेंद्र लाठर) : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज नगला चौक पर 80 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130 वें एपिसोड को सुना। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गांव में पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सत्ता का अर्थ शक्ति नहीं, बल्कि जनता की निस्वार्थ सेवा है। वर्तमान सरकार ने राजनीति की परिभाषा बदल दी है, जहां अब राजनीति का

अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले यमुना बेल्ट के गाँवों की हालत दयनीय थी, गलियां कच्ची थीं और लोगों को केवल वोट बैंक समझा जाता था। हमने इस इलाके को वोट बैंक समझने के रिवाज को बदला है और पिछले 11 वर्षों में सड़कों का जाल, नए स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और शुगर मिल जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स देकर विकास को नई गति दी है। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि गांव में 2 चौपालों की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही टेंडर व अन्य प्रक्रियाओं के बाद इनका कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि एक गरीब परिवार से निकले प्रधानमंत्री ने ही गरीबी का दर्द समझा है। आज बिना खर्ची-पर्ची के मेरिट पर नौकरियां मिल रही हैं। आज गरीब का बच्चा बिना किसी सिफारिश या रिश्वत के, केवल मेरिट के आधार पर सरकारी अधिकारी बन रहा है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज व लखपति दीदी जैसी योजनाओं का लाभ सीधा जनता के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सरकार ग्रांट देती है, लेकिन गांवों को साफ रखना युवाओं और पंचायतों का कर्तव्य है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की ताकि वे एक बेहतर इंसान बन सकें। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में आज फसलों के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। जी राम जी योजना के तहत सरकार द्वारा 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। अब सरकार ऐसा नियम लेकर आई है,जिसमें रजिस्ट्रेशन होने पर काम न मिलने पर भी पैसा दिया जाएगा। श्री कल्याण ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों पर खर्च होने वाला पैसा जनता की खून-पसीने की कमाई है, जिसे पूरी ईमानदारी से जनता की सुविधाओं पर ही खर्च किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में रिंग रोड और एनसीसी एकेडमी जैसे प्रोजेक्ट्स इस इलाके की तस्वीर पूरी तरह बदल देंगे।

सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट करेगा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण और चाय ब्रेड पकौड़े का भंडारा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): ट्राइसिटी की प्रसिद्ध धार्मिक एवं सामाजिक संस्था सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट से एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने विशेष जानकारी मे बताया कि सभी भारतवासियों के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस बहुत विशेष दिन है। इस दिन भारत को अपना स्वयं का संविधान

मिला। जिससे की सभी व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान हो एवं और उनके साथ किसी के द्वारा किसी प्रकार की हानि न हो। ट्रस्ट हर वर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के विशेष दिन पर ध्वजारोहण एवं भंडारे का कार्यक्रम करता रहा है। ओर आगे भी करता रहेगा। एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने बताया ट्रस्ट द्वारा पंचकुला सैक्टर 5 यवनिका पार्क में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, उसके उपरांत ट्रस्ट के सदस्य एवं सुप्रभात ग्रुप के मित्रो के संग राष्ट्रगान किया जाएगा। वहां उपस्थित सभी को चाय ब्रेड पकौड़े का वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर एडवोकेट संजय कुमार जैन, राकेश बिहारी गुप्ता, दिनेश गुप्ता, एस एस चौहान, विशाल गोयल (सोनू), विजय कपूर, तरसेम सिंह सैनी, सुखपाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा हरियाणा पुलिस के जवानों का जलवा

बाइक स्टंट और भव्य मार्च पास्ट मन मोह लेगा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत आज आयोजित फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान हरियाणा पुलिस के जांबाज जवानों ने अनुशासन, साहस और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। रिहर्सल के दौरान पुलिस जवानों ने बाइक पर हैरतअंगेज स्टंट दिखाकर अपनी

दक्षता और साहस का परिचय दिया, जिसे देख उपस्थित अधिकारी और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके साथ ही फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान निकाले गए भव्य और सुसंगठित मार्च पास्ट ने परेड की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर जवानों द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत की गई मास पीटी ने उनकी शारीरिक क्षमता, एकजुटता और अनुशासन को दर्शाया। पूरी रिहर्सल के दौरान परेड ग्राउंड देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान आयोजित होने वाली इस भव्य परेड का नेतृत्व परेड़ कमांडर प्रतीक अग्रवाल, एएसपी रोहतक द्वारा किया जाएगा। प्रशासन द्वारा समारोह को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करेंगे और परेड़ का निरीक्षण भी करेंगे।

बाबा गैबी साहब मंदिर नरवाना का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से, तैयारियां जोरों पर

महंत अजय गिरी जी महाराज ने बैठक बुलाकर विभिन्न संस्थाओं को सौंपी जिम्मेदारियां

नरवाना, 25 जनवरी (नरेन्द्र सिंहमार): नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा गैबी साहब मंदिर का वार्षिकोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा और धूमधाम

के साथ मनाया जाएगा। वर्ष 2026 का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से आरंभ होने जा रहा है जिसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।इसी क्रम में मंदिर प्रांगण में महंत अजय गिरी महाराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को स्वागत द्वार, सजावट, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महंत अजय गिरी महाराज ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह उत्सव केवल मंदिर का नहीं बल्कि पूरे शहर की आस्था का प्रतीक है।वार्षिकोत्सव के शुभारंभ अवसर पर 1 फरवरी दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी जो सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ होकर पंजाबी चौक होते हुए बाबा गैबी साहब मंदिर प्रांगण में संपन्न होगी।इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 2 बजे भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा जिसमें कथावाचक धर्मपाल अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा रसपान कराएंगे।वार्षिकोत्सव का समापन 8 फरवरी को प्रात: हवन-यज्ञ के साथ होगा, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में शेरा मोर, तरसेम शर्मा, सुभाष चहल, भारत भूषण, माला चोपड़ा, बीरबल शर्मा, पार्षद आशुतोष शर्मा, कर्मवीर सैनी, सतीश सैनी, विकास मित्तल, सतीश सेतिया, भूरा मोर, काकू शर्मा, रमेश मोर, पंडित विकास पुजारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

देवी मंदिर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर हवन का आयोजन

- विधायक रामकुमार कश्यप ने हवन में आहुति डाल की दीर्घायु की कामना

इन्द्री, 25 जनवरी (बिशपाल राणा) : हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर इन्द्री देवी मंदिर में हवन यज्ञ

किया गया। विधायक एवं गवर्मेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने आहुति डाल कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी नेतृत्व के लिए मंगल कामना की। इस मौक पर विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लंबी आयु और अपार शक्ति प्रदान करें, ताकि वे इसी प्रकार निस्वार्थ भाव से हरियाणा प्रदेश की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है। हवन यज्ञ के दौरान विधायक ने इन्द्री विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे हरियाणा प्रदेश में शांति, खुशहाली और निरंतर विकास के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर मार्किट कमेटी चेयरमैन महेन्द्र प्रेमी व दीपक सैनी, पूर्व चेयरमैन अमित गोयल , मंडल अध्यक्ष विजय कश्यप व संजय कंबोज, पार्षद सेठ पाल वर्मा व राजेन्द्र मिढा, कष्ट निवारण समिति सदस्य पाला राम, सरपंच शमशेर व श्याम, पवन सिंगला, सतीश भाटिया, सुभाष खेड़ा, कृष्ण सैनी, अनुराग वर्मा,चेयरमैन प्रतिनिधि बलिंद्र कटारिया , मंडल उपाध्यक्ष अनुज गर्ग , जय प्रकाश गोयल,संजय शर्मा,बलजीत राणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी हवन में आहुति डाली और मुख्यमंत्री को उनके जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

मनरेगा योजना को बंद करने की सरकार द्वारा सोची समझी साजिश : शमशेर सिंह गोगी

मूनक, 25 जनवरी (जय भगवान) : असंध विधानसभा क्षेत्र के गांव मूनक बाल्मीकि धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग के माध्यम से

उन्होंने मनरेगा योजना को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा रची जा रही साज़िशों से नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से जागरूकता बैठक की गई। बैठक के दौरान केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया तथा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के हर प्रयास की निंदा की गई।कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर और किसान के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक पूरी ताक़त और प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करती रहेगी। इस बैठक में फोम सिंह राजीव गांधी पंचायत राज योजना हरियाणा, सुरजीत राणा पूर्व चेयरमैन, जितेंद्र चोपड़ा, जसबीर सरपंच एंचला, तेजेंद्र सिंह सरपंच खेरी मूनक, रामफल शर्मा, खेम चंद ओड, सुखबीर मान सरदार बलिहार सिंह सरदार रविन्द्र उर्फ सनी, राजेश सिरसवाल, हरिओम नागर असंध , मूलचंद, प्रदीप तथा गांव मूनक के मजदूर और कमेरा वर्ग के व्यक्तियों द्वारा इस बैठक में भाग लिया।

जिला शिक्षा अधिकारी (स) बरनाला ने वीर गाथा प्रोजेक्ट के जिला लेवल के नतीजों की घोषणा की

बरनाला, 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) शिक्षा विभाग पंजाब की तरफ से जारी निर्देशों के मुताबिक, जिला शिक्षा अधिकारी (स) सुनीतिंदर सिंह और डिप्टी जिला शिक्षा अधिकारी (स) बरजिंदरपाल सिंह की लीडरशिप में, हेडमास्टर हरीश कुमार नोडल ऑफिसर की देखरेख में, जिला बरनाला के स्कूलों के स्टूडेंट्स ने डी वीर गाथा प्रोजेक्ट के तहत ऑनलाइन मोड से एक्टिविटी कॉम्पिटिशन करवाए। इस बारे में जानकारी देते हुए हरीश कुमार नोडल ऑफिसर ने बताया कि इन कॉम्पिटिशन के चार लेवल तय किए गए थे। जिला स्तर के नतीजे जारी करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (एस) सुनीतिंदर सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी (एस) बरजिंदरपाल सिंह और हेडमास्टर हरीश कुमार नोडल अधिकारी ने बताया कि कक्षा 3 से 5 तक, 6वीं से 8वीं के स्तर में गुरसिमरन सिंह सप्रस द्रका, 6वीं से 8वीं के स्तर में परवनदीप कौर शहीद जशनदीप सिंह सरां सहस नैनेवाल, 9वीं से 10वीं के स्तर में लखवीर सिंह लाला जगत नाथ बांसल सर्वितकारी विद्या मंदिर धनौला और 11वीं से 12वीं के स्तर में प्रिया वर्मा सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल संधू पत्ती बरनाला ने पहला स्थान हासिल किया है। पहला स्थान हासिल करने वाले छात्रों और उन्हें तैयारी कराने वाले अध्यापकों को बधाई दी गई।

पंजाब कृषि विभाग द्वारा अनधिकृत ऑनलाइन कीटनाशक व्यापार पर शिकंजा; किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

बरनाला, 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) राज्य के किसानों को गुणवत्तापूर्ण और असली कृषि रसायनों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पंजाब कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से हो रही कीटनाशकों की अनधिकृत बिक्री पर पूर्ण रोक लगा दी है। विभाग ने अंतर- राज्यीय व्यापारिक नियमों को और सख्त करते हुए स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नरिंदर सिंह बेनीपाल, संयुक्त निदेशक कृषि (पौध संरक्षण) ने कहा कि हम नकली और घटिया दर्जे के कृषि उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पारदर्शी मार्केट सिस्टम बनाए रखने के लिए नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बेनीपाल ने बताया कि विभाग की जांच में यह सामने आया था कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डीलरों के बीच अनधिकृत व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बन रहे थे। विभाग के तुरंत हस्तक्षेप के बाद, इन कंपनियों ने अनधिकृत बिक्री बंद कर दी है। अब यह व्यापार केवल नियमित और विभाग द्वारा अनुमोदित चैनलों के माध्यम से ही हो सकेगा।बेनीपाल ने राज्य के सभी मुख्य कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे डीलरों के साथ बैठकें करके कुछ नियम सख्ती से लागू करवाएं, जिसमें कोई भी डीलर राज्य से बाहर की इकाइयों के साथ बिना आधिकारिक परमिट के कीटनाशकों का लेनदेन नहीं करेगा। कीटनाशकों की खरीद केवल पंजाब सरकार द्वारा लाइसेंस प्राप्त स्रोतों से ही होनी चाहिए और यदि कोई डीलर अनधिकृत ऑनलाइन या बाहरी राज्यों के व्यापार में शामिल पाया जाता है, तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द कर दिया जाएगा। किसानों के लिए विशेष सलाह देते हुए कृषि विभाग ने किसान भाईचारे को भी सचेत किया है। किसानों से अपील की गई है कि कीटनाशक हमेशा लाइसेंस प्राप्त डीलरों से ही खरीदें। खरीद के समय डीलर से पक्का बिल जरूर लें और यदि उत्पाद की गुणवत्ता में कोई समस्या आती है, तो बिल के आधार पर विभाग तुरंत कार्रवाई कर सकता है।

मेरा वोट, मेरा अधिकार। डेमोक्रेसी को मज़बूत करने के लिए बिना किसी लालच के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें

बरनाला 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) भारत में 25 जनवरी, 2011 से नेशनल वोटर्स डे मनाया जा रहा है। लोगों को वोटिंग की अहमियत बताने और एक खुशहाल समाज बनाने के लिए हर वोटर को अपना वोट ज़रूर डालना चाहिए। अधिकार का इस्तेमाल करना ज़रूरी है।इस मौके पर बोलते हुए, सोशल वर्कर अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि हर वोटर को अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल ज़रूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के डेमोक्रेटिक देशों में वोटर पूरे जोश के साथ चुनाव में हिस्सा लेते हैं, लेकिन भारत में वोटर वोट देते समय उतना कमिटमेंट नहीं दिखाते जितना डेमोक्रेसी में ज़रूरी है।एनवायरनमेंटलिस्ट तरविंदर सिंह मैकलाइफ डेयरी वाले ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में एवरेज लगभग 40 परसेंट वोटरों ने अपने वोट का इस्तेमाल नहीं किया। वोट का अधिकार हर नागरिक का कानूनी और इंसानी अधिकार है। डेमोक्रेसी को मज़बूत करने के लिए हर वोटर को अपने वोट का इस्तेमाल करना चाहिए।समाजसेवी और पर्यावरणविद एस पी कौशल ने कहा कि अगर देश मजबूत होता है, तो समाज भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि 2024 में हुए चुनावों में 90 करोड़ से ज़्यादा वोटरों में से करीब 40 परसेंट ने वोट डाला है। वोट का इस्तेमाल नहीं हुआ, जो चिंता की बात है।इस बीच, इंडियन फैशन के मनीष गोयल ने अपनी राय देते हुए कहा कि यह बहुत दुख की बात है। ट्रेंड यह है कि 35 से 40 परसेंट वोटर ऐसे हैं जिन्हें अपने वोट की अहमियत नहीं पता और वे वोट देने नहीं जाते। हर वोटर को देश की मजबूती के लिए अपने वोट का सही इस्तेमाल करना चाहिए।पूर्व प्रेसिडेंट म्युनिसिपल काउंसिल बरनाला संजीव शोरी ने वोटरों से अपील की कि अगर कुछ नेता वोटरों को पैसे या ड्रग्स का लालच देकर वोट खरीदने की कोशिश करते हैं, तो हमें ऐसे नेताओं का बॉयकॉट करना चाहिए।

रक्तदान शिविर का आज किया जाएगा आयोजन

पिंजौर, 25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): ऑर्बिटल एकेडमी के संचालक आरिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गुग्गा माड़ी नं. 1, रज्जिपुर में लगाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे ध्वजारोहण समारोह से होगी । रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से शुरू किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर का आयोजन भगत रौनकी राम मेमोरियल सेवा सोसायटी, श्री शिव कांवड़ सेवा संघ, न्यू जनरेशन यूथ क्लब एवं हिम वेदा हर्बल्स के सहयोग से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया

कालका,25 जनवरी (निस): भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा भारतीय समाज में लड़कियों के साथ होने वाली असमानताओं के बारे में जन जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। सब डिविजनल कोर्ट कालका के आदेश अनुसार गांव चरणियां में सरपंच सविता व प्रधानाचार्य के माध्यम से वीनू कंवर लीगल एड एडवोकेट ने एक लीगल लिटरेसी जन जागृति कैंप राष्ट्रीय बालिका दिवस जो गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया । विद्यालय

के शिक्षा छात्र छात्रों के उपस्थिति में राष्ट्रीय बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई ।हर बेटी को सशक्त बनाना, एक मजबूत भारत का निर्माण करना ।आज की बेटी केवल चूल्हा-चौका तक सीमित नहीं है7 यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब एक लड़की को सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और सम्मान मिलता है, तो पूरा राष्ट्र मजबूत होता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि आज की बालिका कल की डॉक्टर, वैज्ञानिक, उद्यमी और रक्षा अधिकारी है।भारत में बालिकाओं को लड़कों के समान ही कानूनी और संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जो उन्हें सुरक्षा, समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। मुख्य अधिकारों में शिक्षा का अधिकार (6-14 वर्ष), 18 वर्ष से पहले विवाह के विरुद्ध संरक्षण (बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006), पैतृक संपत्ति में सम्मान अधिकार, और शारीरिक व यौन शोषण के खिलाफ सुरक्षा शामिल है। कानून की नजर में बेटा और बेटी बराबर हैं। उन्हें सम्मान अवसर, शिक्षा और सम्मान पाने का हक है। यौन और शारीरिक सुरक्षा- पॉक्सो अधिनियम के तहत बालिकाओं को हर तरह के यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा प्राप्त है। कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ कानून-पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के तहत जन्म से पहले लिंग निर्धारण या गर्भपात कराना एक दंडनीय अपराध है। इसी के साथ मुफ्त कानूनी सहायता के बारे जानकारी दी ।नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) व नालसा ऐप कमजोर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है। यह अधिनियम, 1987 के तहत बनाया गया है और इसका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। आप 15100 डायल करके या ऑनलाइन आवेदन करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। नि:शुल्क कानूनी सेवाएँ प्राप्त करने के लिये पात्र व्यक्ति महिलाएँ और बच्चे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य औद्योगिक कामगार सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार। विकलांग व्यक्तियों,हिरासत में उपस्थित व्यक्ति,वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय संबंधित राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से कम हो और बताया कि सब डिविजनल कोर्ट कालका जिला पंचकुला में लीगल एड सर्विसेज के फ्रंट ऑफिस मौजूद हैं। नालसा हालसा की स्कीम्स से संबंधित और गरीब , औरतें, बच्चे अन्य मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं ।

सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल में भारत का संविधान 75 वर्ष, विशेष सत्र का आयोजन

पिंजौर,25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): विद्यालय सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर में भारतीय संविधान 75 वर्ष ; के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट चंडीगढ़ में जॉइंट रजिस्ट्रार नवीन शर्मा अंशुमान द्वारा विद्यार्थियों को संविधान के महत्व, उसके मूल सिद्धांतों, नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों की दी गई। भारत के संविधान के प्रत्येक चैप्टर पर प्रसिद्ध चित्रकार नन्दलाल बोस व शान्तिनिकेतन से जुड़े अनेक चित्रकारों द्वारा 1950 में बनाई गई चित्रावली को पावर प्वाइंट प्रस्तुती के माध्यम से दिखाकर विद्यार्थियों को समझाया गया। इस प्रकार संविधान के प्रत्येक चैप्टर को विस्तार से बताकर चर्चा की गई और विद्यार्थीयों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। नवीन ने बताया कि इस चित्रावली में भारत के 5000 वर्षों का ऐतिहासिक चित्रण किया गया है। जिसको महात्मा गांधी और डाज़राजेन्द्र प्रसाद ने भी सराहा था। यह भी चर्चा में आया कि गत 75 वर्षों से किस प्रकार भारत को बनाने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और कैसे यह भारत का प्रत्येक दिशा में मार्गदर्शन करता है। दूसरा विषय में नवीन ने वोट की ताकत पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय वोटिंग दिवस के महत्व के बारे में समझाया। इस वर्ष हम 15वां वोटिंग दिवस 25 जनवरी 2026 को मना रहे हैं। वोट हमारे पास एक ताकत के रूप में है, यह दिवस हमें भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ने का मौका देता है। हमें वोट देने को अपना कर्तव्य समझना चाहिए और अनेक कार्यक्रम करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को इसकी शक्ति लोकतंत्रात्मक सुन्दरता और महत्व का अहसास कराना चाहिए। अनेक महत्वपूर्ण वाक्य भी बताए गए जैसे - वोट फार पावर, वोट फार डवलपमेंट, वोट फार नेशन। वन वोट कैन ट्रांसफार्म दी कन्ट्री ।नो वोटर शुड भी लैफ्ट।--मैं वोट करूंगा और करवाऊंगा ।हम मिलकर लोकतंत्र के उत्सव को मनाएं ।एक वोट,अनेक वोट।-वोट मेरी ताकत है और मैं इसका सही उपयोग करूंगा आदि। इस प्रकार विद्यार्थियों ने भी अनेक प्रश्न पूछे और वोट के महत्व को समझा ।इस सत्र में रजनीश मगोतरा सहायक प्रोफेसर इंजीनियरिंग कॉलेज जम्मू ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ . पीयूष पुंज द्वारा उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सत्र के लिए दोनों वक्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रप्रेम एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत करते हैं।

आज का वोट, कल का भारत

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रायपुररानी महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम, संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा

रायपुररानी, 25 जनवरी (देवेन्द्र सिंह): राजकीय महाविद्यालय रायपुररानी में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के

तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अपराजिता हुड्डा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में मताधिकार के महत्व पर जोर देते हुए छात्र-छात्राओं से स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार मतदान करने का आग्रह किया। इस अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. सुनीत दत्त शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक मूल्यों की समझ और सोच-समझकर किए गए मतदान पर निर्भर करती है। वहीं, एनसीसी एएनओ डॉ. यशवीर ने युवाओं को अनुशासन के साथ अपने नागरिक दायित्वों के पालन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से मतदाता शपथ भी दिलवाई गई।

मानव सेवा संघ परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 20 जरूरतमंदों की हुई स्वास्थ्य जांच

करनाल, 25 जनवरी (संदीप रोहिला): मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं

निदान हेतु एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। खराब मौसम और बारिश के बावजूद लगभग 20 जरूरतमंद रोगी अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के लिए मानव सेवा संघ पहुंचे। शिविर में सभी रोगियों की गहन स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। जांच उपरांत × मरीज आंखों के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाए गए, जिन्हें नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु अर्पणा ट्रस्ट अस्पताल भेजा गया। इस अवसर पर स्वामी प्रेममूर्ति ने सभी मरीजों एवं डॉक्टरों की टीम को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उनके साथ डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट, मोहिन्दर नरवाल, राजेंद्र तथा हर्ष सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। यह शिविर मानव सेवा और समाजसेवा की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिससे जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सका। डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट ने बताया कि अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं निदान हेतु अगला निशुल्क चिकित्सा शिविर 23 फरवरी 2026 को मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में आयोजित किया जाऐगा। जरूरतमंद व्यक्ति इस कैंप में आकर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार करवा सकते है।

बिना किसी प्रलोभन या दबाव के करें अपने मताधिकार का प्रयोग : जिला उद्यान अधिकारी

करनाल, 25 जनवरी (सुमनलता): राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आज हरियाणा हॉर्टिकल्चर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उचानी में एक उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक मतदाता शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी, करनाल ने संस्थान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी को लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करने के लिए निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय नागरिक का यह कर्तव्य है

कि वह बिना किसी प्रलोभन, दबाव या लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करे। साथ ही, वह अपने आसपास के अन्य नागरिकों को भी मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करे और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करे। हमारा एक वोट ही देश की दिशा और दशा तय करने की ताकत रखता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संविधान के प्रति अटूट निष्ठा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी ने मेरा भारत, मेरा वोट की भावना को आत्मसात किया, जो इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की प्रमुख थीम भी है। समारोह पूरे शांतिपूर्ण, अनुशासित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिसमें हरेक व्यक्ति ने मतदाता जागरूकता के इस संदेश को दिल से अपनाया। यह आयोजन न केवल संस्थान के कर्मचारियों के बीच मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी विभाग और संस्थान लोकतंत्र की मजबूती में कैसे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

हरप्रीत कम्बोज : हरियाणा के छोटे से गांव से देश के विभिन्न प्रदेशों के क्रिकेट खिलाड़ियों की बड़े सपनों की उड़ान

रतिया,25 जनवरी (अमन सेठी): पानी के बहाव के साथ तो सब बहते हैं, लेकिन पानी के विपरीत जो बहकर तैर जाए वही असली तैराक होता है। यही कहानी है हरप्रीत कम्बोज की, जो हरियाणा के रतिया व भूना के बीच एक छोटे से गांव सिंथला में क्रिकेट एकेडमी चलाकर देश के विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों को बेहतरीन कोचिंग देकर उनके सपनों को पंख लगा उन्हें क्रिकेट में एक मुकाम हासिल करने के लिए बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी बना रहे हैं, इतना ही नहीं छोटे गांव का छोटी उम्र का यह कोच हरप्रीत सिंह इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान कैप्स के साथ बतौर सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। हरप्रीत कम्बोज के अनुसार वह पिछले नौ वर्षों से प्रोफेशनल क्रिकेटर कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनकी एकेडमी में हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, जम्मू कश्मीर, राजस्थान जैसे प्रदेशों से खिलाड़ी क्रिकेट के गुर सीखने आते हैं। हरप्रीत के अनुसार उनसे कोचिंग लेने वाले भारत के विभिन्न प्रदेशों के खिलाड़ी जिनमें सरीता मागर (नेपाल अंतराष्ट्रीय महिला टीम), संदीप सिवाच (अरुणाचल रंनजी खिलाड़ी), गुरप्रीत सिंह (-19 स्टेट) ऐसे बड़े लेवल क्रिकेट प्रतियोगिता में अपनी पहचान बन चुके हैं ।हरप्रीत बताते हैं कि वो सुबह से शाम तक खिलाड़ियो के साथ ग्राउंड में रहते हैं। उन्होंने खिलाड़ियो के रहने के लिए हास्टल व पढ़ाई की व्यवस्था भी कर रखी है। उनकी एकेडमी में आधुनिक प्रेक्टिस सुविधाए जैसे बालिंग मशीन, जिम की सुविधा, 24 घंटे प्रेक्टिस की सुविधा उपलब्ध है ।हरप्रीत कम्बोज खुद (आई सी सी) द्वारा प्रमाणित क्रिकेट कोच है और स्ट्रेंथ व कंडिशनिंग (ए सी एस एम) प्रमाणित ट्रेनर भी हैं। उन्होंने 2022-2023 में इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान केप्स के साथ भी बतौर सहायक कोच काम किया है। हरप्रीत की इस प्रेरणादायक कहानी से यह सीखने को मिलता है कि अगर हम अपने काम के प्रति समर्पित हों और मेहनत करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। क्योंकि जहां यह छोटे से गांव में जन्म और इंग्लैंड के अनुभवी कोच के साथ सहायक कोचिंग कर चुके हैं और उनके गांव की अकादमी में अनेक प्रदेशों के खिलाड़ियों का कोचिंग लेने के लिए आना यह दर्शाता है कि हरप्रीत सिंह की कोचिंग में कुछ तो बात है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित हुए पुंडरक के नौ बच्चे

निसिंग,25 जनवरी (जोगिंद्र सिंह): हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में श्री ईश्वर सिंह प्राध्यापक राजनीति विज्ञान के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक के छात्रों का दबदबा रहाइन छात्रों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में

अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कब्जा किया था जिन्हें आज प्रशस्ति पत्र एवं नगद इनाम देकर सम्मानित किया गया ।क्विज में भावना एवं काजल भाषण में अमन एवं निबंध लेखन में आंचल प्रथम स्थान पर रहे। निबंध लेखन में चंचल एवं पोस्टर मेकिंग में पारुल द्वितीय स्थान पर निबंध लेखन में मौसम एवं भाषण में पारुल तृतीय स्थान पर रहे । राष्ट्रीय चुनाव आयोग हर वर्ष भारतीय चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाता है 7 और चुनाव में भागीदारी बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करता है गौरतलब है की 25 जनवरी 1950 को भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना की गई थी। चुनाव तहसीलदार सुदेश राणा ने बताया कि जागरूक मतदाता ही योग्य ईमानदार एवं मेहनती प्रतिनिधियों का चुनाव करके लोकतंत्र को मजबूत करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

दिल्ली में बारिश भी नहीं सुधार पाई हवा आनंदविहार से पटपड़गंज तक 300 के ऊपर

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली में बारिश के बाद भी कई इलाकों में हवा खराब से बहुत खराब श्रेणी में रही। आइए हम आपको दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों के एक्यूआई की जानकारी देते हैं। दिल्ली एनसीआर में 23 जनवरी, शुक्रवार को बारिश के बाद भी हवा खराब ही रही। सीपीसीबी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सुबह 10 बजे तक आनंद विहार, पटपड़गंज समेत कई इलाकों में हवा बहुत खराब श्रेणी में रही। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार पटपड़गंज में 309, आनंद विहार में 312 रही। उधर, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के स्टेशन से उपलब्ध जानकारी के अनुसार यहां एक्यूआई 308,बुराड़ी क्रासिंग 290, चांदनी चौक में 306 रहा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित टी-3 पर एक्यूआई 198 रहा।

10 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार मुंडका में एक्यूआई 324 था। आईआईटी दिल्ली के पास हवा खराब श्रेणी रही और एक्यूआईर 243 रहा। आईटीओ में 10 बजे तक एक्यूआई 254 था। बता दें राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में शुक्रवार तड़के हुई बारिश से शहर में तापमान गिर गया। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिनभर बादल छाए रहने की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है।तड़के से दोपहर तक गरज के साथ बारिश होने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

बाद में शाम को भी बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली पुलिस को पोस्ट में टैग करने के बाद सुसाइड करने पहुंचा 19 साल का युवक

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया कंट्रोल टीम ने सतर्कता दिखाते हुए 19 साल के युवक की जान बचाई। जहां यूजर ने दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए एक युवक के रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या करने की जानकारी दी। दिल्ली में एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया कंट्रोल रूम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की वजह से एक 19 साल के युवक की जान बच गई। यह मामला 21 जनवरी 2026 की शाम का बताया जा रहा है, जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक यूजर ने दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए एक गंभीर जानकारी साझा की। जिसमें यूजर ने बताया कि एक 19 साल का युवक, जिससे वह टेलीग्राम पर बातचीत कर रहा था, वे मानसिक तनाव में है और रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या करने की बात कर रहा है। युवक कथित तौर पर प्रेम प्रसंग से परेशान था। पोस्ट में युवक का नाम और मोबाइल नंबर भी दिया गया था। दिल्ली पुलिस को जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस हेडक्वॉर्टर स्थित सोशल मीडिया कंट्रोल रूम ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्रवाई की। जहां ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने सूचना को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन थाने के एसएचओ को भेजा। जिसके बाद जांच के दौरान यह पता चला कि युवक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नहीं बल्कि हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर मौजूद है। इसके बाद तुरंत यह जानकारी हजरत निजामुद्दीन थाने को दी गई।

मशहूर गायक अरमान मलिक अस्पताल से घर लौटे, बोले- अब मैं बेहतर फील कर रहा हूं

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) मशहूर प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक के चाहने वालों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। पिछले कुछ दिनों से खराब स्वास्थ्य के चलते अस्पताल में भर्ती अरमान अब घर वापस आ गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने स्वास्थ्य की जानकारी साझा करते हुए बताया कि वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं और धीरे-धीरे पूरी तरह स्वस्थ हो रहे हैं। अरमान मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि वे अब रिकवरी के रास्ते पर हैं और फिलहाल आराम पर ध्यान दे रहे हैं। गायक ने अपने संदेश में कहा, क्रिक अपडेट! मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूँ। आराम कर रहा हूँ और धीरे-धीरे चीजें संभाल रहा हूँ। मेरा हालचाल पूछने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आप लोगों से बहुत प्यार। अरमान के इस संदेश के बाद उनके प्रशंसकों ने राहत की सांस ली है और कमेंट सेक्शन में उनके पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थनाओं की बाढ़ आ गई है।

उल्लेखनीय है कि 18 जनवरी को अरमान मलिक ने अस्पताल से अपनी एक फोटो साझा की थी, जिसमें उनके हाथ में आईवी लाइन लगी हुई थी। इस तस्वीर ने उनके प्रशंसकों को गहरी चिंता में डाल दिया था। उस समय अरमान ने बताया था कि पिछले कुछ दिन उनकी सेहत के लिए काफी कठिन रहे हैं और अब उन्हें खुद को रिचार्ज करने के लिए विश्राम की आवश्यकता है। उन्होंने इस अनुभव से मिली सीख को साझा करते हुए अपने प्रशंसकों से भी अपील की थी कि वे अपनी सेहत को सबसे ऊपर रखें। अरमान ने लिखा था कि स्वास्थ्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है और उन्होंने यह सबक काफी मुश्किल तरीके से सीखा है। स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के अलावा, अरमान हाल ही में अपने भाई और प्रसिद्ध संगीत निर्देशक अमाल मलिक के साथ होने वाली तुलनाओं को लेकर भी चर्चा में रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्पष्ट रूप से कहा था कि प्रशंसकों के एक वर्ग को उन्हें और अमाल को आपस में तुलना करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा था कि यद्यपि दोनों भाई अलग-अलग रास्तों पर चल रहे हैं, लेकिन वे हमेशा एक-दूसरे की सफलता में खुश रहते हैं। अरमान ने प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे अपनी ऊर्जा तुलना करने के बजाय संगीत का आनंद लेने में लगाएं, क्योंकि आने वाले समय में उनका बहुत सारा नया काम रिलीज होने वाला है। फिलहाल, अरमान का पूरा ध्यान अपनी सेहत को फिर से पटरी पर लाने पर है ताकि वे जल्द ही रिकॉर्डिंग स्टूडियो और स्टेज पर वापसी कर सकें।

भारत की एयर डिफेंस और एंटी ड्रोन शील्ड ताकत को परखने ड्रोन भेज रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ लड़ने का एक खतरनाक और सस्ता युद्ध मॉडल तैयार किया है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की तरफ से 800 से ज्यादा ड्रोन भारतीय हवाई सीमा में आए है। इसमें लो लेवल ड्रोन वारफेयर (कम ऊंचाई पर ड्रोन युद्ध) कहा जाता है। सूत्र बताते हैं कि यह सिर्फ इक्का-दुक्का घटनाएं नहीं हैं, बल्कि भारत की एयर डिफेंस और एंटी ड्रोन शील्ड परखने की मुल्ला मुनीर की सैन्य रणनीति का संकेत है। ये ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ते हैं, इससे रडार को चकमा दे सकते हैं। ज्यादातर ड्रोन राजस्थान और पंजाब की सीमा पर दिखाई दिए है। भारतीय सुरक्षा बलों ने 800 में से करीब 240 ड्रोन मार गिराया है। 5 ड्रोन में हथियार या युद्ध से जुड़ा सामान मिला। 160 से ज्यादा ड्रोन दूसरे सामान गिराने के लिए आए थे, जबकि करीब 72 ड्रोन नशीले पदार्थ लेकर आए थे। इस साल जनवरी में अब तक ड्रोन घुसपैठ की 12 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, ज्यादातर ड्रोन सर्विलांस करने आए थे। इनका मकसद भारतीय सेना की तैनाती और उसका पैटर्न पता लगाना था। पाकिस्तान इसतरह के सर्विलांस से आतंकियों की घुसपैठ के रास्ते खोजता है।

दिल्ली मेट्रो से सफर करने वाले ध्यान दें और 26 जनवरी को बंद रहेंगे कुछ स्टेशन

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर भव्य परेड होगी। सुरक्षा कारणों से 23 और 26 जनवरी को दोपहर 3.00 बजे तक कुछ मेट्रो स्टेशन के गेट बंद रहेंगे। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर हर साल की तरह कर्तव्य पथ पर दिव्य और भव्य जश्न मनाया जाएगा। जोश से भरपूर परेड में सैकड़ों लोग शामिल होंगे और हर ओर समारोह का आयोजन होगा। इस बीच दिल्ली पुलिस के साथ-साथ दिल्ली मेट्रो ने सुरक्षा के मद्देनजर कड़े इंतजाम किए हैं। डीएमआरसी की तरफ से फैसला लिया गया है कि 23 और 26 जनवरी को तड़के 3.00 बजे से लेकर प्रोग्राम खत्म होने तक कुछ मेट्रो स्टेशन के गेट सुरक्षा के मद्देनजर बंद रखे जाएंगे। दरअसल, 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल है और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन होगा। ऐसे केंद्रीय सचिवालय- गेट 3 और 4उद्योग भवन- गेट 1लाल किला- गेट 3 और 4जामा मस्जिद- गेट 3 और 4दिल्ली गेट- गेट 1, 4 और 5आईटीओ- गेट 3, 4 और 6 गेट बंद रहने का समय सुबह 3.00 बजे से लेकर प्रोग्राम के समापन तक होगा।

मतदान करते समय विवेक का ...

पृष्ठ एक का शेष ....में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। श्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में मतदाताओं को %लोकतंत्र की आत्मा% बताते हुए कहा, आज' मतदाता दिवसपर मैं अपने युवा साथियों से फिर आग्रह करूंगा कि वे 18 साल का होने पर मतदाता के रूप में खुद को जरूर पंजीकृत करें। संविधान ने हर नागरिक से जिस कर्त्तव्य भावना के पालन की अपेक्षा रखी है इससे वह अपेक्षा भी पूरी होगी और देश का लोकतंत्र भी मजबूत होगा। उन्होंने लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लोगों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर जब कोई 18 साल का हो जाता है, मतदाता बन जाता है तो उसे जीवन का एक सामान्य पड़ाव समझा जाता है। लेकिन, दरअसल यह अवसर किसी भी भारतीय के जीवन का बहुत बड़ा क्षण होता है। उन्होंने इसका जश्न मनाने की अपील की और कहा कि जिस प्रकार किसी के जन्मदिन पर उसे शुभकामनाएं दी जाती हैं, उसी प्रकार जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं। इससे लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

सड़क हादसे में सात की मौत ....

का मौका भी नहीं मिला और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर जमा हो गए। दुर्घटना के कारण हाईवे पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया, जिससे करीब 5 किलोमीटर तक यातायात ठप हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही अमीरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार को काटकर शवों और घायलों को बाहर निकाला। सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। वहीं 3 गंभीर घायल जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस ने ट्रैफिक बहाल कराने के साथ ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही और गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस सेवा मैडल

पृष्ठ एक का शेष...दिवस पर एसएसबी के 13 जांबाजों का नाम राष्?ट्रपति पुलिस पदक के लिए चयनित किया गया है। इसमें 2 जवानों को विशिष्?ट सेवाओं के लिए और 11 जांबाजों को सराहनीय सेवाओं के लिए राष्?ट्रपति पुलिस पदक से सम्?मानित किया गया है। बता दें एसएसबी का इतिहास आजादी के बाद के दौर से जुड़ा है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी, जब 1962 के युद्ध के बाद भारत को अपनी सीमाओं को और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। शुरुआत में यह बल सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय लोगों के साथ भरोसे का रिश्ता बनाने पर केंद्रित था। समय के साथ इसकी भूमिका और दायरा दोनों बढ़ते गए। आज एसएसबी भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है।

तेजस्वी यादव ....

की पार्टी है, जो एक साफ विचारधारा पर चलती है, जिसकी जड़ें अंबेडकर, लोहिया, कर्पूरी और लालू के सिद्धांतों में हैं। आज बिहार की स्थिति को देखते हुए कानून-व्यवस्था के मुद्दे, पलायन और लड़कियों के साथ होने वाली परेशानी पर सरकार कहीं न कहीं चुप है जो चिंताजनक है।

बड़ी टेक कंपनियों पर कसेगा शिकंजा, नियमों के उल्लंघन पर 250 करोड़ तक लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) केंद्र सरकार देश के डिजिटल परिदृश्य को अधिक सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट, 2023 के कार्यान्वयन की प्रक्रिया को तेज करने जा रही है। एक्ट के तहत नियमों का उल्लंघन पाए जाने या डेटा सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर कंपनियों पर अधिकतम 250 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। टेक कंपनियों के लिए एक और बड़ी चुनौती बच्चों के डेटा प्रोसेसिंग को लेकर होगी। कंपनियों को अब बच्चों के डेटा का उपयोग करने से पहले उनके माता-पिता की सत्यापन योग्य सहमति लेनी अनिवार्य होगी। हालांकि तकनीकी दिग्गजों ने इस प्रक्रिया को जटिल बताया है, लेकिन सरकार सुरक्षा मानकों पर झुकने को तैयार नहीं है। डेटा उल्लंघन की स्थिति में कंपनियों को बिना किसी देरी के उपयोगकर्ताओं को इसकी प्रकृति और जोखिमों की जानकारी देनी होगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने या डेटा सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर कंपनियों पर अधिकतम 250 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि मेटा, गूगल, अमेज़न और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के लिए नियमों के अनुपालन की समयसीमा को घटाया जा सकता है। पहले इन कंपनियों को नियमों को लागू करने के लिए 18 महीने का समय देने पर विचार किया गया था, जिसे अब घटाकर 12 महीने किया जा सकता है। सरकार का स्पष्ट मानना है कि इन वैश्विक कंपनियों के पास पहले से ही अंतरराष्ट्रीय मानकों (जैसे यूरोप के जीडीपीआर) का पालन करने का अनुभव है, इसलिए वे कम समय में भारतीय कानूनों को अपना सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंगोलपुरी हत्याकांड में डीयू के एक छात्र समेत पांच आरोपी पकड़े

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) मंगोलपुरी में आकाश की चाकू मारकर हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने एक नाबालिग समेत दो, और बाहरी जिला पुलिस ने दो नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कुल पांच आरोपी पकड़े गए हैं, जिनमें डीयू का छात्र मोहित भी शामिल है। यह हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई, जहाँ आरोपियों ने आकाश का आधा किलोमीटर तक पीछा कर 15 बार चाकू से वार किए। पुलिस ने खून से सना चाकू भी बरामद किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश का नाम मोहित उर्फ नोदी है। वह मंगोलपुरी का रहने वाला है और डीयू का छात्र है। 21 जनवरी की शाम मोहित ने चार साथियों (अधिकतर नाबालिग) के साथ मिलकर रंजिश में डीडीए पार्क, एक ब्लाक में आकाश उर्फ़ अक्कू की हत्या कर दी थी। आकाश ने सितंबर में मंगोलपुरी में रहने वाले सलमान नाम के युवक के घर में आग लगा दी थी। वह आरोपितों का कॉमन दोस्त है।

मलबा माफिया की दबंगई: डिप्टी चेयरमैन को कुचलने की कोशिश

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) यमुनापार में अवैध मलबा डंपिंग एक गंभीर समस्या बन गई है। शाहदरा दक्षिणी जोन के डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा ने कड़कड़ी मोड़ पर मलबा डाल रहे ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की, जिस पर चालक ने उन्हें कुचलने का प्रयास किया। सचदेवा ने पीछा कर चालक को पकड़ा, जिसे पुलिस को सौंपा गया। प्रीत विहार पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर चालक से पूछताछ कर रही है। यह समस्या प्रदूषण और हादसों का कारण बन रही है, जिसमें अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप है। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचलने की कोशिश की। वह बाल-बाल बच गए। कुछ दूर पीछा करके उन्होंने अपने साथियों के साथ ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया। उसी दौरान वहां से गुजर रही दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन को अरोपित को सौंप दिया। प्रीत विहार थाना ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। पुलिस चालक जोगिंदर से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

डिप्टी चेयरमैन को कुचलने की कोशिश

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) यमुनापार में अवैध मलबा डंपिंग एक गंभीर समस्या बन गई है। शाहदरा दक्षिणी जोन के डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा ने कड़कड़ी मोड़ पर मलबा डाल रहे ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की, जिस पर चालक ने उन्हें कुचलने का प्रयास किया। सचदेवा ने पीछा कर चालक को पकड़ा, जिसे पुलिस को सौंपा गया। प्रीत विहार पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर चालक से पूछताछ कर रही है। यह समस्या प्रदूषण और हादसों का कारण बन रही है, जिसमें अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप है। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचलने की कोशिश की। वह बाल-बाल बच गए। कुछ दूर पीछा करके उन्होंने अपने साथियों के साथ ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया।

सरकार ला रही नियम, जन गण मन की तरह 'वंदे मातरम' के लिए खड़े होना अनिवार्य होगा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) जिस तरह राष्ट्रगान जन गण मन के लिए सभी लोगों का खड़े होना अनिवार्य है ठीक उसी तरह राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के लिए भी सम्मान में खड़े होना जरुरी हो जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार नए नियम बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई है। भारत के संविधान के अनुसार, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत दोनों को समान सम्मान प्राप्त है, लेकिन कानूनी और अनिवार्य प्रोटोकॉल के मामले में दोनों में बड़ा अंतर है। राष्ट्रगान के गायन के समय खड़ा होना अनिवार्य है और इसका अपमान करने पर राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत सजा का प्रावधान है। वहीं, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के समय खड़े होने या किसी विशेष मुद्रा को अपनाने के लिए कोई कानूनी अनिवार्यता या लिखित नियम नहीं है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि गृह मंत्रालय की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। इस दौरान राष्ट्रीय गीत के गायन के नियम और निर्देश सहित सम्मान के तरीके पर चर्चा हुई। बैठक में इन बिंदुओं पर चर्चा की गई, क्या वंदे मातरम को गाने के समय, स्थान और तरीके के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए? क्या इसके गायन के दौरान राष्ट्रगान की तरह खड़ा होना अनिवार्य किया जाए? 1937 के कांग्रेस अधिवेशन के दौरान वंदे मातरम के कुछ छंदों को हटा दिया गया था। बीजेपी का आरोप है कि इसी नीति ने विभाजन की नींव रखी, जबकि कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी इतिहास को तोड़-मरोड़ रही है और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों को देखते हुए इस मुद्दे को हवा दे रही है। पिछले कुछ वर्षों में अदालतों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें मांग की गई है कि वंदे मातरम के लिए भी राष्ट्रगान जैसा ही फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। साल 2022 में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि अभी तक राष्ट्रीय गीत के लिए ऐसे कोई दंडात्मक प्रावधान या निर्देश जारी नहीं किए गए हैं।बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित वंदे मातरम स्वदेशी आंदोलन (1905-08) के दौरान आजादी का सबसे बड़ा नारा बनकर उभरा था। अब सरकार इसे फिर से उसी गौरवशाली स्थान पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों को होगी 1 से 10 साल की जेल, जुर्माना भी लगेगा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के मुताबक पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी टूट रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफ की गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है।

रेलवे प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर एक साल से लेकर 10 साल तक की जेल का प्रावधान है। रेलवे ने कहा कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके। पटरियों के पास बसी बस्तियों के लोगों को शिक्षित किया जा रहा है कि पत्थरबाजी कैसे किसी की जान ले सकती है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और आधुनिक कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर दें। शेष मामलों में जांच अभी जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

CHARDIKLA TIME TV
24X7 INFOTAINMENT CHANNEL
SCAN TO DOWNLOAD OUR APP
SCAN TO WATCH LIVE
Available FREE! at following Platforms
TATA PLAY CH. NO. 1945
DD Free Dish CH. NO. 340
VIDEOCON d2h CH. NO. 779
airtel digital TV CH. NO. 557
dishtv CH. NO. 1152
in digital CH. NO. 581
Jio TV
Available Worldwide on
in USA sling TELEVISION
dish CH. NO. 748-008
amazon fireTV
YouTube
TikTok
Roku TV
eBaba Ent
SMART STB
TANGO TV
FREE TV
MOBI FREE TV
EKOM FLIX
CHARDIKLA MN MEDIA NETWORK
Also available on Social Media @
/Chardikla Time TV
/CK Time TV North America
/Chardikla Time TV Live
ceo@cktimetv.com
www.timetv.news
www.cktimetv.com

हरियाणा सरकार

गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में

26 जनवरी, 2026

गणतंत्र दिवस

के अवसर पर देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"

– नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana